Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -40 शनिवार ,10 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

भयंकर रूप से सामने आई हुई और उलझी हुई परिस्थिति को शांतिपूर्वक सुलझाना ही बुद्धिमता की कसौटी है।
-आर.एन.वागले-

हिमाचलप्रदेश में सीएम बनाने पर सस्पेंस बरकरार

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में 39 एमएलए मौजूद

शिमला,09 दिसम्बर 2022(ए)। हिमाचल कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान मचा हुआ है। विधायकों की 3 बजे होने वाली बैठक रात 8 बजे शुरू हुई। कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला, पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और भूपेंद्र हुड्डा बैठक के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचे। विधायकों से बातचीत के बाद पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट हाई कमान को देंगे। अंतिम फैंसला हाई कमान करेगा। राजीव शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा और अंतिम निर्णय पार्टी के आलाकमान द्वारा लिया जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हम मुख्यमंत्री की दौड़ में नहीं हैं। पार्टी आलाकमान जो फैसला करेगा हम उसके साथ हैं।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक शुरू

बता दें कि शिमला में पार्टी कार्यालय में कांग्रेस विधायक दल की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में कांग्रेस के हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा वीरभद्र सिंह सहित अन्य मौजूद विधायक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, बैठक में 39 विधायक शामिल हैं और एक विधायक मंडी से शिमला के रास्ते में है।

वोटिंग से तय होगा सीएम का नाम

वहीं, इससे पहले राजीव शुक्ला ने कहा था कि वोटिंग से सीएम का नाम तय होगा। उन्होंने कहा कि विधायकों के शिमला पहुंचने के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक के दौरान मतदान कराया जाएगा, जिसके बाद सीएम का नाम तय होगा। बता दें कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक को लेकर अब विधायकों का आना शुरू हो गया है। कांग्रेस विधायक पार्टी मुख्यालय पहुंच रहे हैं। पार्टी मुख्यालय के भीतर केवल विधायकों को जाने की अनुमति है।

प्रतिभा सिंह को सीएम बनाने की मांग

बता दें कि कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक बुलाई है, लेकिन इससे पहले प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने उन्हें सीएम बनाने की मांग की है। प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने %हिमाचल का सीएम कैसा हो, प्रतिभा सिंह जैसी हो% नारे लगाए। वहीं, इससे पहले ओबराय सीसल होटल के बाहर, जहां सभी विधायक ठहरे हुए हैं, राज्य कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने भूपेश बघेल की कार को घेर लिया। प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने भूपेश बघेल की कार को घेरकर राज्य कांग्रेस प्रमुख के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग की।

प्रतिभा सिंह ने कहा- बैठक में तय होंगे नाम

वहीं, प्रतिभा सिंह ने कहा कि हम बैठक में मुख्यमंत्री का नाम तय करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर कोई गुटबाजी नहीं है और सभी विधायक हमारे साथ हैं। बता दें कि विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों से मुख्यमंत्री को लेकर राय जानी जाएगी। सभी की राय जानने के बाद पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट हाई कमान को सौंपेंगे।

सुक्खू समर्थकों की बैठक

इससे पहले सूत्रों के अनुसार, खबर आई थी कि कांग्रेस पार्टी प्रचार समिति के अध्यक्ष व नादौन से विधायक सुखविंदर सिंह सुक्खू बीते रोजी चंडीगढ़ पहुंच गए थे। उनके साथ कुछ विधायक भी मौजूद थे। सुबह में उनके कुछ समर्थक विधानसभा स्थित विधायक सदन में ही थे। बताया गया कि उन्होंने विधायकों के साथ बैठक कर शाम को होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए रणनीति तैयार की।

संक्षिप्त खबरें

गैस सिलेंडर ब्लास्ट,5 की मौत,61 लोग झुलसे

जयपुर ,09 दिसम्बर 2022(ए)। राजस्थान के जोधपुर जिले के शेरगढ़ के समीप भूंगरा गांव में एक शादी समारोह के दौरान गैस सिलेंडर फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। सीएम गहलोत गहलोत आज जोधपुर पहुंचे और घायलों से मिले। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। जबकि 61 लोग झुलस गए है।

सीएम गहलोत घटना स्थल पर पहुंचे और घायलों से मिले। बता दें जोधपुर जिले के शेरगढ़ के समीप भूंगरा गांव में एक शादी समारोह के दौरान गैस सिलेंडर फटने से करीब 61 लोग झुलस गए थे। थानाधिकारी देंवेंद्र सिंह के अनुसार इस हादसे में 61 से ज्यादा लोग झुलस गए है। सूचना मिलते ही जोधपुर, बालोतरा से फायर ब्रिगेड फेजी गई। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता और ग्रामीण एसपी अनिल कयाल मौके पर पहुंच गए हैं।

खतरनाक हुआ चक्रवात 'मैंडूस',अगले 3 दिन रहेंगे भारी

नई दिल्ली ,09 दिसम्बर 2022(ए)। चक्रवाती तूफान मैंडूस अब खतरनाक रूप लेता नजर आ रहा है और कई राज्यों पर इसका असर दिखाई देने लगा है। इसी के मद्देनजर तमिलनाडु के तीन जिलों में रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। अलर्ट पर रहने वाले जिलों में चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम और कांचीपुरम शामिल हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर मानसून के सभी पांच उपमंडलों में आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी, स्काईमेट के मुताबिक, ये बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम के कारण है, जो तेजी से तीव्र होता गया है और एक चक्रवाती तूफान, मैंडूस बन गया है।

गुजरात की हार से खतरे में पड़ी कांग्रेस

मुश्किल हुआ 2024 का सफर

नई दिल्ली ,09 दिसम्बर 2022(ए)। संकट से जूझ रही कांग्रेस खोए जनाधार को बचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है । कांग्रेस के लिए हिमाचल प्रदेश के चुनाव नतीजे संजीवनी लेकर आए हैं, लेकिन गुजरात में उसका सियासी वजूद खतरे में पड़ गया है। यही नहीं, गुजरात के इस चुनाव प्रदर्शन के बाद कांग्रेस का 2024 का सफर और मुश्किल भरा हो गया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी इस समय अपना पूरा ध्यान 'भारत जोड़ो यात्रा' पर लगाए हुए है और उसे उम्मीद थी कि दोनों राज्यों के चुनावी परिणाम उसके लिए बेहतर होंगे। उसे उस वक्त बड़ा झटका लगा जब दिल्ली नगर निगम के चुनाव में उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा। उसे 250 सदस्यीय नगर निगम में सिर्फ 9 सीटें मिलीं।

आम आदमी पार्टी को 134 और भारतीय जनता पार्टी को 104 सीटें हासिल हुईं। कांग्रेस के लिहाज से यह अच्छी स्थिति कही जाएगी कि हिमाचल प्रदेश की 68 सदस्यीय विधानसभा में उसे बहुमत मिला है। फिलहाल उसकी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकारें हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता संजय झा का कहना है कि हिमाचल प्रदेश की जीत कांग्रेस के लिए हौसला बढ़ाने वाली होगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में जीत से कांग्रेस को 2023 और 2024 के लिए उम्मीद मिलेगी लेकिन बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद पार्टी में किस तरह से ऊर्जा का संचार होता है। कांग्रेस के लिए हिमाचल प्रदेश भले ही खुशी लेकर आया, लेकिन गुजरात उसे बड़ा गम दे गया। वह गुजरात में अब तक की सबसे न्यूनतम संख्या तक सिमट गई। यह उसके लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। ऐसी स्थिति में पार्टी गंभीर संकट में घिर गई है जहां से बाहर निकलना उसके लिए बहुत ही मुश्किल होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी और उसे 182 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीटें मिली थीं। इस बार की हार उसके लिए इस संदर्भ में बुरी है कि उसका वोट प्रतिशत 30 प्रतिशत से नीचे आ गया और आम आदमी पार्टी ने तीसरे दल के रूप में दस्तक देकर उसके लिए एक और चुनौती पैदा कर दी है।

यूट्यूब की वजह से हुआ परीक्षा में फेल

सुप्रीम कोर्ट ने उल्टे युवक पर लगा दिया जुर्माना

नई दिल्ली ,09 दिसम्बर 2022(ए)। परीक्षा में असफलता का करण यूट्यूब बताते हुए मुआवजे की मांग करने वाले युवक को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है साथ ही जुर्माना भी लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश पुलिस की परीक्षा में फेल हुए एक युवक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

युवक का आरोप था कि यूट्यूब पर अश्लील विज्ञापन आते हैं, जिस कारण उन्हें देखकर उसका ध्यान भटक गया और इसकी वजह से वह पढ़ाई में ध्यान नहीं दे सका। साथ ही युवक ने यूट्यूब पर ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाने की भी मांग की थी। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने युवक पर जुर्माना लगा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह कि याचिका केवल अदालती समय को खराब करने के लिये दाखिल की जाती है। यूट्यूब देखना या नहीं देखना, उसका व्यक्तिगत फ़ैसला था। अगर उसे परीक्षा से ध्यान नहीं भटकाना चाहता था, तो नहीं देखना चाहिए था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा यह सबसे खराब याचिकाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यदि आप विज्ञापन नहीं देखना चाहते तो ना देखें। बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि आपने कोर्ट का समय बर्बाद किया है। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर ही 25 हजार का जुर्माना लगा दिया।

स्कूल के हेडमास्टर ने तिरंगा काटकर कुर्सी-टेबल और ब्लैकबोर्ड साफ किया

रांची ,09 दिसम्बर 2022(ए)। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित बोर्ड मिडिल स्कूल के हेडमास्टर शफक इकबाल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को काटकर कुर्सी-टेबल और ब्लैकबोर्ड साफ करने का कपड़ा बना लिया। इसकी जानकारी सामने आते ही स्थानीय लोग भड़क उठे। गुरुवार को बड़ी संख्या में लोगों ने स्कूल का घेराव किया। बाद में पुलिस ने आरोपी हेडमास्टर को हिरासत में ले लिया। उनकी अलमारी से कटा हुआ तिरंगा भी मिला है। शिक्षा विभाग ने तिरंगे का अपमान करने के आरोपी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की है। उसे हेडमास्टर के पद से हटा दिया गया है। बताया गया कि हेड मास्टर ने क्लास के दौरान ही तिरंगे को कैंची से काट दिया और कटे हुए कपड़े से कुर्सी पर जमी धूल झाड़ी और उसी से ब्लैक बोर्ड साफ किया। क्लास में मौजूद बच्चों ने घर लौटकर जब अभिभावकों को यह जानकारी दी तो बड़ी संख्या में स्कूल पहुंचे लोगों ने खूब हंगामा किया। हंगामे की जानकारी मिलने पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुबोध राय, कार्यपालक दंडाधिकारी केशव भारती पुलिस बल के साथ स्कूल पहुंचे।

सबने आरोपी प्रधानाध्यापक शफक इकबाल को जमकर फटकार लगाई। शुरू में हेडमास्टर ने कहा कि तिरंगे को चूहे ने काट लिया था, इसलिए उसने ऐसा किया। उसने यह भी कहा कि उसे पता नहीं था कि ऐसा करना अपराध है। बाद में पुलिस ने उसकी अलमारी से कैंची से काटा गया तिरंगा बरामद किया।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शफक इकबाल के खिलाफ पहले भी आपत्तिजनक शिकायतें मिली हैं। स्कूल में पहले छात्र मिलकर सरस्वती पूजा करते थे। इन्होंने आने के बाद इस पर भी रोक लगा दी है।

पांच राज्यों की 12 से अधिक जातियों को मिलेगा अनुसूचित जनजाति का दर्जा

नई दिल्ली ,09 दिसम्बर 2022(ए)। तमिलनाडु, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ एवं हिमाचल प्रदेश की कुछ जातियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के उद्देश्य से लोकसभा में संविधान आदेश 1950 में संशोधन करने वाले चार विधेयक पेश किये गये। जिसमें अधिकारों से वंचित पांच राज्यों से जुड़ी करीब डेढ़ दर्जन जनजातियों को मोदी सरकार ने एक बड़ा तोहफा दिया है। इन जातियों को अब अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलेगा। इसके साथ ही वह इससे जुड़े सभी तरह का लाभ भी ले सकेंगे। फिलहाल अनुसूचित जनजाति में जिन जनजातियों को शामिल करने का फैसला लिया गया है, उनमें बिन्जियाह समेत 12 जातियां छत्तीसगढ़ की हैं।

हिमाचल प्रदेश में हट्टी और यूपी में गोंड' को मिलेगा लाभ

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश की हट्टी और उत्तर प्रदेश की 'गोंड' और उनकी पांच उपजातियों को भी शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह अहम फैसला लिया है। इसके साथ ही सरकार ने विकास की दौड़ में पिछड़े जनजाति व आदिवासियों को आगे बढ़ाने के अपने वादे को पूरा किया है।

अब तक नहीं मिला था दर्जा

खास बात यह है कि अलग-अलग राज्यों से जुड़ी यह जनजातियां नामों में त्रुटियों सहित दूसरे कारणों से अब तक अनुसूचित जनजाति में शामिल नहीं थीं। इसके चलते इन्हें इससे जुड़ा कोई लाभ भी नहीं मिल पा रहा था। हालांकि यह जातियां लंबे समय से खुद को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग कर रही थीं, जो अब तक अनसुनी थी।

बनाई थी कमेटी

हालांकि मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने के बाद इन जातियों की मांगों पर ध्यान दिया और इसे लेकर केंद्र के स्तर पर एक कमेटी बनाई। जिन्हें तथ्यों और शोध के आधार पर इन जातियों के आदिवासी जुड़ाव से संबंधित जानकारी ली गई। हिमाचल प्रदेश के हट्टी समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के फैसले को आने वाले विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

50 का दूल्हा नाबालिग दुल्हन के साथ करना चाहता था शादी

बोकारो ,09 दिसम्बर 2022(ए)। झारखंड के बोकारो से एक ऐसा वाक्या सामने आया है, जिसने सबको हैरत में डाल दिया। दरअसल, यहाँ एक अधेड़ शख्स नाम बदलकर नाबालिग युवती से ब्याह रचाने जा रहा था, तभी अचानक जयमाला के बाद वहां पुलिस आ धमकी, जिसको देखते ही अधेड़ शादी छोड़कर फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स से मिल रही जानकारी के मुताबिक, अधेड़ शख्स ने लड़की के गरीब घरवालों को खुद के पुलिस अधिकारी होने का झांसा दिया था जिसके बाद परिजन भी शादी को तैयार हो गए थे. घटना बोकारो के हरला थाना क्षेत्र की है. बताया जाता है कि अधेड़ शख्स बारात लेकर शादी के लिए युवती के घर पहुंच गया और वरमाला का कार्यक्रम भी हो गया. लेकिन इसी दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी कि नाबालिग लड़की की शादी कराई जा रही है जिसके बाद पुलिस उसे रोकने के लिए शादी स्थल पर पहुंच गई. पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद अधेड़ आरोपी की पोल खुल गई और उसकी सच्चाई सबके सामने आ गई,

जिसे जानकर लोग हैरान हो गए. दरअसल अधेड़ (उम्र करीब 50 साल) अपना धर्म और नाम छुपाकर नाबालिग से शादी करने पहुंचा था और एक मामले में वो पहले भी जेल की सजा काट चुका था. मौके पर पुलिस को देखते ही अधेड़ दूल्हा सबकुछ छोड़कर वहां से फरार हो गया. पुलिस ने घरवालों को बताया कि अधेड़ दूल्हा पहले भी चास थाना क्षेत्र के एक मामले में जेल जा चुका है और वह इसी तरह झांसा देकर गरीब हिन्दू परिवार की लड़कियों को फंसाने का काम करता है. पुलिस ने अधेड़ के ऑल्टो कार को बरामद कर लिया है जिसमें पुलिस की नकली वर्दी पाई गई है. जानकारी के मुताबिक नाबालिग लड़की की मां 6 महीने पहले लोन लेने बैंक गई थी. उसी दौरान अधेड़ ने अपना नाम संजय बेसरा बताते हुए महिला का लोन पास कराने का दावा किया.महिला का लोन भी पास हो गया जिसके बाद मुस्लिम अधेड़ शख्स लगातार महिला को फोन करता रहा. बाद में उसने महिला के घर आना जाना शुरू कर दिया. जब भी वो अधेड़ शख्स महिला के घर आता था तो वो पुलिस की वर्दी में होता था और खुद को दूसरे जिले में पुलिस पदाधिकारी बताता था. गरीब हिन्दू परिवार को अधेड़ के पुलिस अधिकारी होने का भरोसा हो गया. इस दौरान आरोपी ने दावा किया कि वो लड़की के मामा के घर की तरफ ही रहता है. गरीबी के कारण परिवार इस अधेड़ से अपनी बेटी की शादी करने को तैयार हो गया.शादी कार्यक्रम के दौरान पुलिस के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गया जिसके बाद उसकी सच्चाई सामने आ गई. सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार ने बताया कि धर्म छुपाकर अधेड़ परिवार को झांसा देकर हिंदू लड़की से शादी कर रहा था.पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. लड़की के नाबालिग होने की वजह से उसके घरवालों से भी पूछताछ हो रही है.

जल्द गिरफ्तार होंगे सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय

लखनऊ ,09 दिसम्बर 2022(ए)। । सहारा लोन के नाम पर जनता के करोड़ों रुपए वापिस न करने वाले सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय पर लम्बे समय से कई धाराओं में केस दर्ज हो चुका है। अब एक बार फिर सब्रत रॉय के खिलाफ वारंट जारी हुआ है जिसके बाद पुलिस सुब्रत रॉय को गिरफ्तार करने के लिए उनके घर पहुंच गई है।

जानकारी के मुताबिक, राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में स्थित सहारा शहर के आसपास पुलिस बल भारी तादात में जमा हो गया है। जानकारी के मुताबिक़, 12 थानों की फोर्स सहारा प्रमुख सुब्रत राय को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची है। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर अम्बेडकर पार्क के पास सहारा शहर के अंदर सुब्रत राय का घर है। सहारा शहर नाम से सहारा इंडिया प्रमुख सुब्रत राय का घर सैकड़ों एकड़ में बसा है।बताया जाता है कि सहारा इंडिया प्रमुख ने गरीबों की जमीन में डाका डाल कर यह सहारा शहर बनाया है। गरीबों के लिए प्लानिंग के नाम से लखनऊ विकास प्राधिकरण से लीज पर ली गई जमीन में सुब्रत रॉय ने अपना सम्पूर्ण साम्राज्य बसा लिया है ।

सुब्रत राय के ख़िलाफ़ देश भर में सैकड़ों मुक़दमे हैं। ये नहीं पता चल सका है कि किस मुक़दमे में पुलिस उन्हें गिरफ़्तार करने पहुँची है। सहारा चीफ सुब्रत राय को गिरफ्तार करने के लिए 12 थानों की पुलिस पहुँची है। बता दें कि पहली बार नहीं है जब सुब्रत रॉय को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस पहुंची है। पिछली बार भी एक मामले में सुब्रत रॉय को गिरफ्तार करने पहुंची थी लेकिन सुब्रत रॉय घर पर मौजूद नहीं थे जिसके लंबे इंतजार के बाद पुलिस सिर्फ उनके घर के बाहर नोटिस चस्पा कर वापिस आ गई थी।

संपादकीय

मेजबानी की बहाने

जी-20 की खत्म होती प्रासंगिकता मोदी सरकार के लिए संभवतः चिंता का पहलू इसलिए नहीं है क्योंकि इसकी मेजबानी के बहाने उसे अगले आम चुनाव के लिए एक बड़ा नैरैटिव खड़ा करने का मौका मिला है।

यह खबर सुन कर हैरत हुई कि जी-20 की मेजबानी से संबंधित मुद्दों की विपक्ष को जानकारी देने और उसकी राय जानने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसलिए कि इस सरकार का नजरिया अक्सर विपक्ष को हाशिये पर धकेलने, बल्कि यहां तक कि 'विपक्ष मुक्त' भारत बनाने का रहा है। ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय समूह की मेजबानी जैसे सामान्य मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, तो साफ है कि सरकार इसके जरिए अपने घरेलू समर्थक वर्ग के बीच विशेष माहौल बनाना चाहती है। मकसद संभवतः यह है कि यह वर्ग अगले साल भर तक इससे जुड़ी चर्चाओं में खोया रहे और इसके जरिए पहले ही बनाई गई यह धारणा और पुष्ट हो कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बन रहा है। वरना, हर साल होने वाली शिखर बैठक अलग-अलग देशों में होती है और इसकी मेजबानी आम तौर पर रोटेशन से तय होती है। मेजबान की इसमें कुछ खास भूमिका तो होती है, लेकिन वह निर्णायक महत्त्व की नहीं होती। इसलिए मेजबान बनने के नाते भारत इस समूह को कोई नई दिशा दे सकेगा या इसकी कमजोर पड़ रही प्रासंगिकता को बहाल कर पाएगा, इसकी कोई संभावना नहीं है।

इस ग्रुप की प्रासंगिकता इसलिए कमजोर पड़ रही है, क्योंकि इसमें शामिल कई प्रमुख देश आज एक दूसरे के विरोधी खेमों का हिस्सा बनते दिख रहे हैं। इस विभाजन का गहरा साया हाल में इंडोनेशिया में हुई शिखर बैठक के दौरान देखने को मिला। वहां यह साफ हो गया कि मौजूदा हालात में यह समूह निर्णायक तो दूर, कोई सामान्य भूमिका निभाने की स्थिति में भी नहीं है। जी-20 का गठन भूमंडलीकृत होती विश्व अर्थव्यवस्था में खड़े होने वाले मसलों के हल पर आम सहमति बनाने के लिए हुआ था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद इसकी विशेष भूमिका बनी, जब इसके वार्षिक शिखर सम्मेलनों का सिलसिला शुरू हुआ। लेकिन अब ग्लोबलाइजेशन की प्रक्रिया उलटी दिशा में चल पड़ी है। यूक्रेन युद्ध तो साफ-साफ इस वैश्विक व्यवस्था को तोड़ दिया है। ऐसे में यह समूह अपनी प्रासंगिकता के लिए संघर्षरत है। बहरहाल, यह मोदी सरकार के लिए संभवतः चिंता का पहलू इसलिए नहीं है क्योंकि इसकी मेजबानी के बहाने उसे 2024 के आम चुनाव के लिए एक बड़ा नैरैटिव खड़ा करने का मौका मिला है।

कोहरा

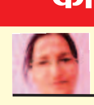

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

दर्द पन्नों पे मेरे, बिखरता रहा ।
रात ढलती रही,वक्त चलता रहा।
क्या हुआ आज दिल को नहीं कुछ ख़बर
ख़ुद ही कहता रहा ख़ुद ही सुनता रहा
यादों की लहरें उठती मचलती रहीं
ज़ख़्म आंखों के प्यालों में घुलता रहा
तन्हां होके भी तन्हां न थी रहगुज़र
ख़्वाबों का कारवां यूं ग़ुज़रता रहा
कितने अल्फ़ाज़ आंखों से बहते रहे
दिल मे यादों का कोहरा पिघलता रहा

रवायत

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

कभी कभी कुछ छोड़ देना चाहिए
कहीं रास्तों को मोड़ देना चाहिए
टूटने पे आ ही जाए टूट जाने दें
क्यों ज़ुरूरी के जोड़ देना चाहिए
छूने उट्ठे गर वो लड़की की अस्मत
उस हाथ को मरोड़ देना चाहिए
जज़्ब जो है इल्म का दरिया हमें
वक़्त बेवक़्त निचोड़ देना चाहिए
है रवायत बेड़ियों सी जो गीत
उनको फौरन तोड़ देना चाहिए

वक्त बेवक्त

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

यूँ वक्त बेवक्त बेसबब ,न पूछा करो।
हम से हर बात का मतलब न पूछा करो।
गुनाहगार छूटे, बेगुनाह को मिली सजा,
अजी कैसे हुआ ये करतब न पूछा करो।
वो रहते थे दिल में धडकन की तरह,
कैसे हुए ये फसले, सबब, न पूछा करो।
आती है हर एक रात,अब रतजगा लिये,
कैसे गुजरती है तन्हाँ शब, न पूछा करो।
इन्सां कहाँ है, अब है परछाइयों के हुजूम,
दोस्तों कैसे हुआ ये करतब न पूछा करो।
सह लिये हर सितम,उन का लिहाज किया,
सागर हम सी चुके है लब,न पूछा करो।

सुनो,पता है... ?

आशीष शर्मा
अमृत
जयपुर, राजस्थान

सुनो,पता है तुम्हें,तुम मेरी अब आदत बन गई हो?
करता हूँ रोज़ जिसका सजदा वो ईबादत हो गई हो
अब तुम ही तो रहती हो मेरे ख़्वाबों और ख्यालों में
तुम सभी जगह हो संग मेरे,जैसे परछाई बन गयी हो
सुनो,पता है तुम्हें,अब तुम मेरी ज़िंदगी बन गई हो?
धड़कता है दिल जिस पर मेरा,वो धड़कन बन गई हो
सदा बसी रहना तुम बन धड़कन मेरे इस दिल में
मुहब्बत बन मेरी,ज़िंदगी की रहनुमा तुम बन गयी हो
सुनो,पता है तुम्हें,हर दर्द समझती हो,हमदर्द बन गई हो?
मेरे हर सुख दुख में साथ हो खड़ी,हमदम बन गई हो
अकेला सा मैं चले जा रहा था जीवन की इन राहों में
इस सफर को खूबसूरत बना,मेरी हमसफर बन गई हो

जीत के जश्न से ज्यादा हार पर मंथन जरूरी

दिल्ली एमसीडी और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार से उसे कड़े सबक सीखने की जरूरत है। भाजपा की यह हार असल में कुछ नेताओं के अहंकार में डूबने और कार्यकर्ताओं के काम नहीं करने का नतीजा है। वहीं कमजोर नेतृत्व भी प्रमुख वजह है। हिमाचल में जयराम ठाकुर भाजपा को नेतृत्व नहीं दे सके हैं। उनकी जनता पर कोई पकड़ नहीं है। यहीं हाल भाजपा का दिल्ली में भी है। दिल्ली में भाजपा के पास न तो कोई नेतृत्व है और ना ही कोई फायरब्रांड नेता है।

दिल्ली एमसीडी चुनाव के नतीजों के बाद गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ गए। नतीजे एग्जिट पोल के अनुसार ही रहे। दिल्ली एमसीडी में 15 साल से सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी को हराकर आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। वहीं गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अनुमान के मुताबिक रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की। इधर, हिमाचल में मतदाताओं ने सरकार बदलने का रिवाज कायम रखा और भाजपा को कुर्सी से नीचे उतारकर कांग्रेस को बैठा दिया। वहीं उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में सपा मैनपुरी लोकसभा सीट बचाने में कामयाब रही तो खतौली विधानसभा सीट पर रालोद ने कब्जा जमाया। रामपुर विधानसभा सीट पर पहली बार जीतकर भाजपा ने अपनी थोड़ी सी लाज बचा ली। वहीं राजस्थान की सरदारशहर विधानसभा सीट पर सत्ताधारी कांग्रेस ने जीत हासिल की और सीएम गहलोत अपनी साख बचाने में कुछ हद तक कामयाब रहे।

सबसे पहले बात करते हैं गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों की। यहां पर पीएम नरेंद्र मोदी का जादू पूरी तरह चला और भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और ओवैसी कहीं भी टक्कर में दिखाई नहीं दिए। भाजपा ने 182 में से 156 सीट जीतकर कीर्तिमान बनाया। गुजरात में पहली बार किसी पार्टी ने 150 से ज्यादा सीट हासिल की। यह जीत भाजपा की जीत से ज्यादा मोदी की जीत है। असल में गुजरात के लोगों में मोदी का जलवा कायम है। वहीं कांग्रेस विलुप्त होने की कगार पर आ गई है। कांग्रेस को केवल 17 सीटें मिली हैं, जो यह बताने के लिए काफी है कि कांग्रेस के पास न तो कोई नेतृत्व था और न ही कोई योजना। प्रभारी रघु शर्मा और ऑब्जर्वर अशोक गहलोत के तमाम वादों और दावों के बीच कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है। वहीं आम आदमी पार्टी 92 सीटों पर जीत का दावा कर रही थी, लेकिन वह केवल 5 सीट ही जीत पाई है। उसके मुख्यमंत्री पद के दावेदार इशुदान गढ़वी और प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया तक को करारी हार का सामना करना पड़ा है। अरविंद केजरीवाल ने चुनाव से पहले एक आईबी की रिपोर्ट को आधार बनाकर आप की जीत का दावा किया था, जिसकी हवा भी गुजरात के मतदाताओं ने निकाल दी। असल में गुजरातियों ने फोकटिया राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है।

इधर, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के नतीजे भी एग्जिट पोल के करीब ही रहे हैं। यहां कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटें जीत ली हैं। वहीं सत्ताधारी भाजपा को महज 25 सीटें मिली हैं। आप का खाता भी नहीं खुल सका है। देवभूमि हिमाचल में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज इस बार भी कायम रहा है। उन्होंने भाजपा के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को जय राम जी कहते हुए कुर्सी से नीचे उतार दिया है। हिमाचल प्रदेश के

ऑब्जर्वर सचिन पायलट थे और प्रचार की कमान कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने संभाली थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा अपने गृह राज्य में भाजपा की सरकार नहीं बचा पाए। यहीं हाल केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का भी रहा। परिणामों से स्पष्ट हो जाता है कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की जनता पर कोई पकड़ नहीं थी। उनके नेतृत्व में हिमाचल में जितने भी चुनाव हुए, सभी में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा।

वहीं दिल्ली एमसीडी के चुनाव के नतीजों में आम आदमी पार्टी ने 134 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं भाजपा को मात्र 104 सीटें ही मिल सकीं। इस तरह आप ने भाजपा से एमसीडी छीन ली, जो 15 साल से उसके कब्जे में थी। कांग्रेस यहां भी कहीं नजर नहीं आई। वह चुनाव लड़ने की खानापूर्ति कर रही थी। एमसीडी चुनाव में आप गंदगी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा को घेरने में सफल रही। असल में दिल्ली में भाजपा के पास न तो कोई संगठन है और ना ही कोई दमदार नेता। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता किसी भी तरह से असरदार नजर नहीं आते। सांसद मनोज तिवारी, मीनाक्षी लेखी, प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी, हर्षवर्धन आदि सब पीएम मोदी के नाम पर जीते हैं। इनमें से किसी भी नेता का कोई जनाधार नहीं है। अगर होता तो दिल्ली एमसीडी में भाजपा की हार नहीं होती। खास बात यह भी है कि जेपी नड्डा ने भी दिल्ली एमसीडी में जमकर चुनाव प्रचार किया था, जिसके बाद भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। दिल्ली में भाजपा के संगठन मंत्री का संगठन गढ़ने का कौशल भी काम नहीं आया।

जहां तक उपचुनाव की बात है तो उत्तर प्रदेश में मैनपुरी लोकसभा और खतौली विधानसभा पर भाजपा जीत हासिल नहीं कर पाई। हालांकि रामपुर विधानसभा पर भाजपा पहली बार जीतने में कामयाब रही। पिछली बार जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती थी तो वह केवल मोदी और योगी की जीत थी। अधिकतर नेता इन्हीं दो नामों के दम पर जीतकर आए थे। उस दौरान वहां के संगठन महामंत्री इसे संगठन की जीत बता रहे थे, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं था। यही संगठन महामंत्री आजकल दिल्ली में हैं, लेकिन वहां इनसे कुछ नहीं हो पा रहा है। यह इस बात को बताता है कि भाजपा के कुछ नेताओं में फ्री का क्रेडिट लेने की बीमारी किस हद तक घर कर गई है। वहीं राजस्थान की सरदारशहर विधानसभा सीट को बचाने में कांग्रेस कामयाब रही है। यहां गहलोत की साख बच गई है, जबकि गुजरात में उनकी जादूगरी का असर कहीं पर भी दिखाई नहीं दिया। उत्तर प्रदेश में तो कांग्रेस का होना, न होना बराबर सा हो गया है। बिहार उपचुनाव में भाजपा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और ओडिशा में बीजद की जीत हुई है।

चुनावों के ये नतीजे सबक सिखाने वाले हैं। खासकर भाजपा को। कांग्रेस को तो वैसे भी कोई फर्क नहीं पड़ना है, क्योंकि उसने जीतने लायक न तो कोई काम किया है और ना ही कोई योजना उसके पास है। दिल्ली एमसीडी और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार से उसे कड़े सबक सीखने की जरूरत है। भाजपा की यह हार असल में कुछ नेताओं के अहंकार में डूबने और कार्यकर्ताओं के काम नहीं करने का नतीजा है। वहीं कमजोर नेतृत्व भी हार की प्रमुख वजह है। हिमाचल में जयराम ठाकुर भाजपा को नेतृत्व नहीं दे सके हैं। उनकी जनता पर कोई पकड़ नहीं है। यहीं हाल भाजपा का दिल्ली में भी है। दिल्ली में भाजपा के पास न तो कोई नेतृत्व है और ना ही कोई फायरब्रांड नेता है। हालांकि आप से भाजपा में आए कपिल मिश्रा थोड़ी बहुत उम्मीद जगाते हैं, लेकिन उनकी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। कांग्रेस में गहलोत राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का नेतृत्व कर सकते हैं, लेकिन उनसे राजस्थान की मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छूट रही है। खैर! जनता ने जनादेश दे दिया है। अब नेताओं की बारी है। उन्हें सीखना है या ऐसे ही टाइम पास करते रहना है। मर्जी उनकी है। मतदाता अपना काम करते रहेंगे।

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर,राजस्थान,

फिलवक्त महंगाई नियंत्रण पर नजर

महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो दर में बार-बार इजाफा करना पड़ रहा है, क्योंकि इसमें बढ़ोतरी से ऋण दर में इजाफा होता है, लेकिन महंगाई में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है।

रेपो दर में वृद्धि से बैंक महंगी दर पर कर्ज देते हैं, जिससे लोगों के पास पैसों की कमी हो जाती है। कम आय और उत्पादों की ज्यादा कीमत होने से मांग में कमी आती है, और जब किसी उत्पाद की मांग में कमी आती है, तो उसकी कीमत में भी कमी आ जाती है। सात दिसम्बर की मौद्रिक समीक्षा में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जिससे रेपो दर 5.90 से बढ़कर 6.25 प्रतिशत हो गई।

वैसे, खुदरा महंगाई अभी भी रिजर्व बैंक द्वारा तय महंगाई दर की ऊपरी सीमा 6.00 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। रिजर्व बैंक का मानना है कि वित्त वर्ष 2023 में खुदरा महंगाई 6.7 प्रतिशत रह सकती है। केंद्रीय बैंक इसे 4 प्रतिशत के स्तर पर लाना चाहता है, लेकिन वित्त वर्ष 2024 में भी महंगाई दर के 5.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। मौजूदा परिदृश्य में लगता है कि महंगाई लंबे समय तक परेशान करने वाली है। महंगाई के उच्च स्तर पर रहने के बावजूद ऋण दर में उल्लेखनीय तेजी आने की वजह से अर्थव्यवस्था थोड़ी बेहतर स्थिति में है अन्यथा जीडीपी वृद्धि की रफ्तार और भी कम होती। केंद्रीय बैंक के अनुसार 18 नवम्बर, 2022 तक बैंकों द्वारा दिया जाने वाला ऋण 17.2 प्रतिशत बढ़कर 129.48 लाख करोड़ रु पये हो गया जबकि 4 नवम्बर को ऋण वृद्धि दर 17 प्रतिशत थी। कर्ज की मांग में तब तेजी आ रही है, जब ऋण दर ज्यादा है, अगर यह सस्ती होती तो भारत में जीडीपी की रफ्तार और भी तेज होती। उधारी में उठाव और रेपो दर में वृद्धि की वजह से बैंकों को जमा बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है। विगत 12 महीनों में 12 सरकारी बैंकों में से महज 4 बैंकों ने जमा में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की जबकि एक को छोड़कर अन्य बैंकों की उधारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की उधारी में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि

जमा में 8 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई। सेंट्रल बैंक की ऋण वृद्धि दर 12 प्रतिशत है, लेकिन जमा वृद्धि दर महज 2 प्रतिशत। निजी बैंकों में भी ऐसे ही हालात हैं। सभी सूचीबद्ध निजी बैंकों में से केवल दो बैंकों ने ऋण के मुकाबले जमा में अधिक वृद्धि दर्ज की। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में जमा वृद्धि दर 37 प्रतिशत रही जबकि ऋण वृद्धि दर 32 प्रतिशत। यस बैंक की जमा वृद्धि दर 13 प्रतिशत रही जबकि ऋण वृद्धि दर 11 प्रतिशत।

18 नवम्बर, 2022 को बैंकों के जमा में वृद्धि पिछले साल की समान अवधि में 9.6 प्रतिशत बढ़कर 172.95 लाख करोड़ रुपये हो गई जो 4 नवम्बर के 8.2 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में थोडा ज्यादा है। बैंक बॉन्ड के जरिए भी पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने हाल में 10 वर्षीय इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के पहले निर्गम के जरिए 10,000 करोड़ जुटाए हैं।

मुद्रास्फीति की वजह से लोगों की खरीदने की क्षमता घट जाती है। भारत समेत अनेक देशों के लोगों की क्रय शक्ति कम हो गई है। ऐसे में लोगों की कमाई कम नहीं होती है, लेकिन मुद्रा की कीमत कम हो जाने से लोगों को किसी भी वस्तु को खरीदने के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते, जिसके कारण वे न तो जरूरत के सामान खरीद पाते हैं, और न ही बचत कर पाते हैं। आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने लगती हैं। उत्पादन और विकास दर, दोनों में गिरावट दर्ज की जाती है। रोजगार सृजन का कार्य बंद हो जाता है और लोगों के हाथों से रोजगार फिसलने लगते हैं। महंगाई की वजह से विविध उत्पादों की मांग में कमी आती है और मांग में कमी आने से कल-कारखानों को उत्पादन को कम करना पड़ता है, जिसके कारण कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ता है, और लंबी अवधि तक नकारात्मक स्थिति बनी रहने से कंपनियां बंद भी हो जाती हैं।

उच्च महंगाई दर के लिए घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों कारण जिम्मेदार हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय कारण ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। भू-राजनैतिक संकट का अभी भी समाधान निकलता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन अभी भी अपने-अपने ईगो पर अड़े हुए हैं। इस वजह से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ रही है। चूंकि रेपो दर में बढ़ोतरी से महंगाई कम होती है, इसलिए महंगाई को सहनशीलता सीमा के अंदर लाने के लिए रिजर्व बैंक को ताजा मौद्रिक समीक्षा में भी रेपो दर में इजाफा करना पड़ा। हालांकि, रेपो दर में ज्यादा बढ़ोतरी से विकासात्मक कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, और बैंकों के लिए मुश्किलें बढ़ती हैं। बावजूद इसके, रिजर्व बैंक और सरकार फिलवक्त महंगाई को नियंत्रित करने की नीति पर चल रहे हैं क्योंकि लंबी अवधि में इससे विकास दर में तेज वृद्धि हो सकती है।

-सतीश सिंह-

अध्यापन कर्म की समृद्धि में पुस्तकों की भूमिका

यही कोई बीस-बाईस साल पहले एक प्राथमिक शिक्षक के रूप में नियुक्ति पाकर एक गाँव के स्कूल में शिक्षण प्रारम्भ किया था। पढ़ना-पढ़ाना अच्छा लगता था। मन में उत्साह था और बच्चों को अपनी ओर से अधिकतम सिखा पाने का भाव भी। लेकिन यह सब क्रियाकलाप न केवल घोर परम्परागत थे बल्कि स्वयं शिक्षक को ही ज्ञान का एकमात्र स्रोत और बच्चे को कच्चा घड़ा मान नया निर्माण करने के सिद्धान्त से सिद्ध भी, जैसा कि मैंने अपना विद्यार्थी जीवन जीया था और शिक्षक-प्रशिक्षण में भी जो एक घोल की तरह हम प्रशिक्षुओं को पिलाया गया था। तो मैं उसी लकीर पर चलता रहा। लेकिन लकीरें मिटने के लिए ही होती हैं क्योंकि समझ के साथ अध्यापन कर्म करने एवं शिक्षण के नित नवाचारी तौर-तरीके सीखने-प्रयोग करने से फलक पर नई रेखाएँ स्वतः ही खिंच जाती हैं। मेरे साथ भी यही हुआ। हरदम कुछ नया सीखने-करने की चाह मुझे प्रेरित करती रही, मेरे शिक्षण में बदलाव का आधार बनती रही। मेरे शैक्षिक कर्म में सकारात्मक बदलाव में पुस्तकों की बड़ी भूमिका रही है। एक दिन, एक शैक्षिक कार्यालय के कबाड़ में मुझे एक किताब मिली - दिवास्वप्न। गिजुभाई बधेका की दिवास्वप्न ने मुझे अन्दर तक झकझोर कर हिला दिया और एक शिक्षक के रूप में मुझे बिल्कुल बदल दिया। मैं खुद में दिवास्वप्न के नायक शिक्षक लक्ष्मीशंकर को खोजने लगा। तब धीरे-धीरे मेरे शिक्षण के तौर-तरीके बदलने लगे थे, मैं शिक्षक के साथ शिक्षार्थी की भूमिका में भी पहुंच गया था। मेरे लिए बच्चे अब कच्चे घड़े नहीं थे बल्कि अपने परिवार एवं परिवेश से विविध सीख-समझ से भरे महकते पुष्प थे। मेरी नई यात्रा आरम्भ हो चुकी थी। मैं शैक्षिक पुस्तकों, शिक्षक डायरियों एवं अनुभवों की खोज करने लगा था और तभी एक पुस्तक हाथ लगी, ए. एस. नील की 'समरहिल' जिसने मेरी समझ को और पुख्ता किया। तब मैं समझ पाया कि छत, दीवार, अध्यापक और संसाधनों से विद्यालय नही बनता। बच्चे ही विद्यालय हैं। बच्चे नहीं तो विद्यालय नहीं। आज विद्यालय डर का पर्याय बन गये हैं। पाठ्यक्रम और पुस्तकें बढ़ी हैं लेकिन बच्चों का ज्ञान और कौशल नही बढ़ा और न ही विद्यालय के प्रति रुचि एवं आत्मीयता बढ़ी। आज शिक्षक पाठ्यक्रम की पुस्तकें पढ़ाते हैं बच्चों को नहीं। एक शिक्षक को बच्चों के पक्ष में खडे होने की पैरवी करते हुए वह कहते हैं, ''बच्चों की खुशी और उनकी खुशहाली उन्हें दिए गये प्रेम और अनुमोदन पर निर्भर करती है। हमें बच्चों के पक्ष में होना होगा। उनके पक्ष में होने का मतलब है उन्हें प्रेम देना। मालिकाना प्रेम नहीं, भावुकता भरा प्रेम भी नहीं। बस हमारा व्यवहार ऐसा हो जिससे बच्चे को पता चले कि हम उसे प्यार करते हैं, उसका अनुमोदन करते है।''- (समरहिल, ए. एस. नील, पृष्ठ 95)।

चूँकि शिक्षक तमाम बड़ी डिग्रियों के बोझ के अहम भाव से लदे और सब कुछ जानने के भाव से भरे होते हैं। तो कक्षा में जाने से पहले तैयारी करने का प्रश्न ही नहीं होता। मेरे साथ भी ऐसा ही था। फिर कुछ वर्षों बाद, एक किताब हाथ लगी, सुशील जोशी की 'जश्न-ए-तालीम' जिसमें एक प्रश्न उठाया गया था कि कितने शिक्षक विषय की तैयारी करके कक्षा में प्रवेश करते हैं, ''हमारे स्कूलो में कक्षा से पहले तैयारी करने की कोई धारणा ही नहीं है। आमतौर पर शिक्षक कक्षा में पहुँचने के बाद ही सोचना शुरू करते हैं कि आज क्या करना है।'' - (सुशील जोशी, जश्न-ए-तालीम, पृष्ठ 24)। परिणामतः तैयारी करके कक्षा में जाना शुरू हुआ और तब मैंने पाया किसी पाठ को मैं कितने तरीकों से बच्चों के सामने रख सकता हूं। यह सब करते हुए मैं बच्चों को समझते हुए अनायास उनके समीप चला जा रहा था और बच्चे भी मुझमें अपना अक्स देखने लगे थे। इसी तरह भाषाई भ्रम तोड़ने में 'बच्चे की भाषा और अध्यापक' ने सार्थक भूमिका निभायी। तब समझ पाया कि शिक्षक को बच्चे द्वारा उसके परिवेश से सीखे गये भाषा ज्ञान को स्कूल से जोड़ना होगा। उसके कोमल मन में सूचनाएं ठूंसने से बचना होगा। ''स्कूल में दाखिल होने तक बच्चे अपनी मातृभाषा की बुनियादी संरचनाओं पर अच्छा खासा अधिकार पा चुके होते हैं। पांच वर्ष का बच्चा संदेशों को कार्य में बदलना जानता है। बच्चे के आसपास जो कुछ हो रहा होता है, वह उसे अपनी सोच-विचार की छलनी से छान कर अपने भाषा-संयत्र का हिस्सा बना लेता है। - (प्रो. कृष्ण कुमार, बच्चे की भाषा और अध्यापक एक निर्देशिका)।

एक बार एक शैक्षिक कार्यक्रम में भोपाल जाना हुआ। तो समय निकालकर 'एकलव्य' चला गया। वहां किताबों का खुशबू बिखेरता उपवन था। लगा कि सब कुछ समेट लूँ, पर मेरी सीमा थी। एक दर्जन किताबें खरीद लाया जिनमें जॉन होल्ट की पुस्तक 'शिक्षा की बजाय' ने मन मोह लिया और एक नवीन दृष्टि दी कि बच्चों के सीखने का केन्द्र केवल विद्यालय नहीं है बल्कि विद्यालय के बाहर का जीवन भी उन्हें महत्वपूर्ण सबक सिखा रहे होते हैं। ''वे (स्कूल) बच्चों का कहीं अधिक समय ले लेते हैं और लगातार ज्यादा समय लेते हैं। वे बच्चों को अपना जीवन जीने, अपनी रुचियों को आगे बढ़ाने या स्कूल की असफलताओं, भय और ऊब से निपटने के लिए स्कूल से बाहर अपने तरीके खोजने के लिए बिल्कुल समय नहीं देते। (जॉन होल्ट, शिक्षा की बजाय, पृष्ठ 158)। बच्चे अपने परिवेश से बहुत कुछ सीख रहे होते हैं। इसके साथ ही मेरी अध्यापकीय समझ को पुख्ता करने तथा शैक्षिक अनुभवों एवं रचनात्मक प्रयासों को प्रकाश में लाने में द्विभाषी शैक्षिक पत्रिका 'स्कूल शिक्षा' (भोपाल), शैक्षिक दखल (उत्तराखण्ड), खोजें एवं जानें (उदयपुर), प्राथमिक शिक्षक (एनसीईआरटी, नई दिल्ली), प्रारम्भ (नालंदा, लखनऊ), शिविरा (राजस्थान), शिक्षा सारथी (हरियाणा) का भी स्मरणीय अवदान रहा है जिनमें मेरे अनुभवपरक शैक्षिक लेख नियमित प्रकाशित होते रहे हैं।

तो इन पुस्तकों ने शिक्षण के मेरे नजरिए को बदला। अब मेरे शिक्षण में जहाँ लचीलापन है वहीं बच्चों के मन की चाह भी मुखरित होने लगी है। अब किताबों के पाठ पढ़ाने, कोर्स पूरा करने के साथ-साथ मैं बच्चों के मन को पढ़ने लगा हूँ। स्वाभाविक है कि परिणाम बेहतर आ रहे हैं। मैं खुश हूँ और बच्चे भी। अब हम सब एक धरातल पर एक साथ खड़े हैं, न कोई आगे न कोई पीछे। मेरे अन्दर का बच्चा कक्षा के बच्चों की आँखों से सपने देखने लगा है। बच्चे जब विद्यालय के पुस्तकालय से पुस्तकें निकालकर पढ़ते और उस पर बातचीत करते हैं तो लगता है कक्षाओं में जुगनू टिमटिमाने लगे हों। पुस्तकों के इस आत्मीय रिश्ते ने मुझे समृद्ध किया है, अंतर्मन में आनंद सरिता प्रवाहित हो रही है।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा
उत्तरप्रदेश

कर्नाटक,महाराष्ट्र के विवाद में फंसी भाजपा

भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच चल रहे सीमा विवाद में फंस गई है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मई में वहां मतदान है और उससे पहले सीमा विवाद शुरू हो गया है। इस वजह से भाजपा खुल कर स्टैंड नहीं ले पा रही है। भाजपा के साथ साथ शिव सेना का एकनाथ शिंदे गुट भी फंस गया है। शिंदे भाजपा की मदद से मुख्यमंत्री बने हैं इस वजह से वे कर्नाटक या वहां की सरकार को निशाना नहीं बना सकते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक के मराठी बहुल इलाके में एक कार्यक्रम होना था, जिसमें महाराष्ट्र के दो बड़े मंत्रियों को शामिल होना था लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने महाराष्ट्र सरकार को मना किया वह मंत्रियों को नहीं जाने दे तो दोनों मंत्री उस कार्यक्रम में नहीं गए।

इस बात का महाराष्ट्र में बड़ा विवाद बना है। शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने दोनों मंत्रियों पर निशाना साधते हुए पूरी सरकार को कायर बताया और कहा कि वे महाराष्ट्र के गौरव से समझौता कर रहे हैं। कर्नाटक में महाराष्ट्र नंबर वाली गाड़ियों पर हमले हुए तो पुणे में उद्धव ठाकरे के शिव सैनिकों ने कर्नाटक नंबर की गाड़ियों को रोक कर उन पर जय महाराष्ट्र लिख दिया। कर्नाटक में भाजपा की सरकार होने और छह महीने में होने वाले चुनाव को देखते हुए भाजपा और एकनाथ शिंदे की पार्टी कुछ नहीं कर पा रही है।

हिमाचल फिसल गया

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर हिमाचलप्रदेश

चुनावों का दौर था
निकल गया
गुजरात हाथ आ गया
हिमाचल फिसल गया
बड़े बड़े नेताओं ने भी
जोर बहुत लगाया
चुनाव ने नुक्कड़ नुक्कड़
गली गली घुमाया
पहाड़ी लोगों को सेपू बड़ी
और धोतवीं दाल की याद बहुत
करवाई
पर चुनाव के समय
वह भी किसी काम न आई
पुरानी पेंशन ने कर्मचारियों को
पन्द्रह सौ ने महिलाओं को बहुत
ललचाया
तीन सौ यूनिट फ्री बिजली ने
कांग्रेस का बेड़ा पार लगाया
बहुत हो गया फ्री का खेला
कैसे होंगे अब वायदे पूरे
सत्ता तो लोगों ने दे दी
सपने न उनके रहें अधूरे
टिकट वितरण सही होता तो
बीजेपी सत्ता में होती
मज़े लूटती सत्ता के
अब दूर बैठ कर यूं न रोती

मैंने एक पुस्तक लिखी

अशोक कुमार
यादव
मुंगेली,छत्तीसगढ़

मैंने एक पुस्तक लिखी थी,
जिसमें थी श्रृंगार की बातें।
दो प्रेमियों की प्रेम कहानी,
संयोग दिन,विरह की रातें।।
राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना,
मातृभूमि के लिए बलिदान।
खुशहाल और शक्तिशाली,
हिंदुस्तान, तिरंगे की शान।।
कोविद ज्ञानदाता की महिमा,
अध्येताओं को कराता संज्ञान।
मंजिल को पाना अंतिम ध्येय,
नित कर्म में तन्मयता,ध्यान।।
सृष्टि की रचना मनोहारी चित्र,
नील गगन के चांद और तारें।
जीव-जंतुओं की जीवन शैली,
हमको आकर्षित कर रहे सारे।।
आधुनिक दहेज प्रथा विकराल,
गौरव नारी आज हो गई लाचार।
बेगार युवाओं के मन की पीड़ा,
हावी है राक्षस रूपी भ्रष्टाचार।।

अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में सस्पेंड हुआ हूं

किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

शासकीय नौकरी में
बहुत माल कमाया हूं
चकरे खिला खिला कर
जेब ढीली किया हूं
भ्रष्टाचार के क्षेत्र में
बहुत नाम कमाया हूं
अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में
सस्पेंड हुआ हूं
सस्पेंड होने से परेशान नहीं
संतुष्ट हुआ हूं
घर में हरे गुलाबी के पहाड़ बनाया हूं
फ़िर ज्वाइन होने की
जुगाड़ भिड़ाया हूं
अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में
सस्पेंड हुआ हूं
कॉलर टाइट ठस्के से
समाज में खड़ा हूं
सामाजिक कार्यों में
बहुत डोनेशन चढ़ाया हूं
करोड़ों इन्वेस्टमेंट कर
लाखों ब्याज खाता हूं
अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में
सस्पेंड हुआ हूं
जिंदगी में हरे गुलाबी
दोहान का मंत्र पाया हूं
सालों से शासन का
अनुभवी पका पकाया हूं
शासन की तिजोरी
खाली करने में माहिर हूं
अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में
सस्पेंड हुआ हूं
कुछ दिनों में
लग जाऊंगा आश्वासन पाया हूं
हरे गुलाबी पहाड़ से कुछ चढ़ावा
चढ़ाया हूं
बस ईडी एजेंसियों के
डर से जी रहा हूं
अभी-अभी भ्रष्टाचार केस में
सस्पेंड हुआ हूं

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

स्टूडेंट और टीचर्स की ये गुहार,सुनेंगे क्या सीएम साहब.!

» ठिठुरते पहुंच रहे हैं ये लोग स्कूल

» कलेक्टर का ये फरमान आत्मानंद स्कूल के लिए क्यों नहीं हो रहा लागू,सीएम साहब से स्टूडेंट और टीचर्स ने की गुजारिश

भूपेंद्र सिंह
अम्बिकापुर/बलरामपुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में इन दिनों शीत लहर का प्रकोप है. लोग ज़बरदस्त ठंड की आग़ोश में समाए हुए हैं. हाड़ कंपा देने वाली इस ठंड में ज़िला प्रशासन ने कुछ दिन पहले एक आदेश जारी किया. जिसमें ज़िले के सरकारी और निजी स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है. जिससे स्कूल स्टूडेंट्स और टीचर्स के साथ पैरेंट्स ने राहत की साँस ली है. लेकिन कलेक्टर द्वारा इस आदेश के अंत में लिखी एक लाइन ने एक विशेष स्कूल के बच्चों और टीचर्स के अंदर ठिठुरन पैदा कर दी है. और सच में ये आदेश ना केवल हैरान कर देने वाला है. बल्कि स्कूल बच्चों को बीमार कर देने वाला भी साबित हो रहा है.

स्कूल सुविधाओं से लैश, लेकिन ठंड मुसीबत...

छत्तीसगढ का अधिकांश इलाका आदिवासी बाहुल है और मध्य छत्तीसगढ का इलाका किसान प्रधान है. ऐसे में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने आत्मानंद अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल की शुरुआत करवाई. जिसमें अन्य सरकारी स्कूल से हटकर गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है. इन सरकारी स्कूलों में किसी निजी संस्था की तर्ज़ पर स्मार्ट क्लास, लैब, कंप्यूटर कमरा, वाई-फ़ाई कैंपस, लाईब्रेरी, खेल मैदान, संगीत क्लास, गार्डन समेत सभी आधुनिक सुविधा रहती हैं. लेकिन ठंड के मौसम आने के बाद जो संकट टीचर्स और स्टूडेंट के सामने आ रहा है. वो ना केवल बच्चों को बीमार कर रहा है. बल्कि आत्मानंद स्कूल के बच्चों को अन्य सरकारी स्कूलों से सच में एकदम अलग कर रहा है.

स्टूडेंट्स और टीचर्स मुसीबत में...

बलरामपुर-रामानुजगंज ज़िले में कुल 17 आत्मानंद स्कूल संचालित हैं. जिसमें 10 अंग्रेज़ी मीडियम और 7 हिंदी मीडियम स्कूल है. क्लास वन से क्लास 12 तक संचालित इस स्कूल में प्रति क्लास 40 स्टूडेंट्स के हिसाब से क़रीब 7 हज़ार स्टूडेंट्स पढ़ाई करते हैं. और क़रीब 300 स्टाफ़ और टीचर्स इनमें बेहतर शिक्षा देने के लिए तैनात किए गए हैं. ख़ैर ठंड का दिन है कलेक्टर के आदेश ने इन स्कूलों के कई हज़ार स्टूडेंट्स टीचर्स और स्टाफ की मुश्किलें बढ़ा दी है. ऐसे में इस स्कूल से जुड़े तमाम लोग बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और इन पर नज़रें इनायत करने वाला कोई नज़र नहीं आ रहा है.

कलेक्टर का आदेश...

बलरामपुर जिले में शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है. कलेक्टर विजय दयाराम के. ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार दो पालियों में संचालित होने वाली कक्षाएं प्रथम पाली में सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक तथा शनिवार को दोपहर 12:45 से 4:15 बजे तक लगेंगी. इसी क्रम में द्वितीय पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 12:45 बजे से 4:15 बजे तक व शनिवार को सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होंगी. इसी प्रकार एक पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:45 बजे से 4:00 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित की जाएंगी. इस आदेश में हैरान करने वाली बात यह है कि ठंड को देखते हुए कलेक्टर ने जिले के स्कूलों के संचालन के समय में जो बदलाव किया है. वह स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (हिंदी एवं इंग्लिश) दोनों विद्यालय में लागू नहीं होगा. मतलब कलेक्टर के आदेश से तय हो गया है कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के स्कूल के बच्चे हाड़ कपा देने वाली ठंड में सुबह-सुबह ही स्कूल जाएंगे. टीचर्स और स्टूडेंट्स के अभिभावक ने मुख्यमंत्री से यह मांग की है कि हम सबसे अलग है. हमे भी ठंड से राहत चाहिए.

शासकीय आत्मानंद स्कूल वाड्रफनगर के प्रिंसिपल आरके सिंह से बच्चों को ठंड से हो रही परेशानी से अवगत कराया तो उन्होंने कहा कि, समिति का स्कूल है, कलेक्टर अध्यक्ष हैं. तो हम क्या कर सकते है. 8 घंटे का सेटप है. चार ही घंटा मिल रहा है. उसको भी कम कर देंगे तो पढ़ाई कैसे हो पाएगी. राजपुर शासकीय आत्मानंद स्कूल के प्रिंसिपल विजय कुमार तिर्की ने कहा कि, बच्चों और टीचरों में ठंड का प्रभाव तो पड़ रहा है. हालांकि, बच्चों उपस्थिति में कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है.

जिला शिक्षा अधिकारी केएल महिलांगे ने कहा कि, आत्मानंद स्कूल वाले स्वतंत्र हैं. स्वामी आत्मानंद स्कूल सुबह पाली में है. छोटे बच्चे रहते है व 12वीं तक है. स्कूलें दो पालियों में भी लग रही है. इसमें प्रिंसिपल आपस में समन्वय करके कर सकते है. प्रिंसिपल आपस में तय करके चाहें तो छोटे बच्चों को डे शिफ्ट में कर लें. और बड़े बच्चों को प्रथम पाली में कर लें. वहां के प्रिंसिपल 9वीं से 12वीं को सुबह कर सकते है. हम उनको बोले भी है.

शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, आरोपी के द्वारा कोचिंग जाने घर से निकली नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा कर ले गया था, जहां आरोपी ने शादी का झांसा देते हुए नाबालिक के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है, जानकारी के मुताबिक 3 सितंबर नाबालिक अपने घर से कोचिंग जाने निकली थी जो वापस घर नहीं लौटी थी, काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने इसकी शिकायत गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी ,मामले की जांच में जुटी गांधीनगर पुलिस ने नाबालिक को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने के आरोप में जय नगर महावीरपुर धाम निवासी आरोपी सुमित देवनाथ को गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर स्थित भरत कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया है और नाबालिक को बरामद कर लिया है पूछताछ में नाबालिक ने बताया कि आरोपी देवनाथ के द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है वहीं आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है गांधीनगर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 376(2),,(ढ़),(3) IPC 5(ठ),6-पास्को एक्ट 3(2-5).3(2-5)क,एसटी/एससी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो लोगों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार देव प्रसाद उम्र 50 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर का रहने वाला था। दरिमा नाका के पास देव प्रसाद व प्रभु सिंह घायल अवस्था में पड़े हुए थे। सूचना पर परिजन दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान 8 दिसंबर की रात को देव प्रसाद की मौत हो गई।

जिला कांग्रेस कमेटी ने यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी का जन्मदिन कांग्रेस ने धूम धाम से मनाया। जरूरतमन्दों और स्कूली बच्चों को गर्म कपड़े और पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में वरिष्ठजनों की उपस्थिति में स्कूली छात्रा ने केक काटा। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने सोनिया गांधी के संघर्ष, त्याग और कांग्रेस के लिए किये कार्यो के सम्बंध में विस्तार से बताया।इस अवसर पर महापौर डॉ अजय तिर्की, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता, प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा,मो इस्लाम,प्रमोद चौधरी,सैय्यद अख्तर, आशीष वर्मा, मदन जायसवाल,अशफाक अली,विकल झा,सन्ध्या रवानी,काजू खान,नीतीश चौरसिया, रजनीश सिंह, विकास केशरी, अंकुर जायसवाल, लवकेश पासवान,पंकज शुक्ला,अविनाश ठाकुर,केदार यादव,संजय सिंह,बाबू सोनी,रुही गजाला, आतिश शुक्ला,विनोद एक्का,गीता प्रजापति, गीता श्रीवास्तव,गीता रजक,हमीदा बानो, शकीला,आनंदी तिग्गा, एंजेला केरकेट्टा, हीरो बड़ा सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

आदिम जनजाति की सूची में दो महत्वपूर्ण संशोधन नहीं होने पर आदिवासी एकता महासभा ने सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आदिवासी एकतामहासभा ने कलेक्टर जिला सरगुजा के माध्यम से राष्ट्रपति को केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आदिम जनजाति सूची में सार्थक संशोधन हेतु निवेदन पत्र प्रेषित किया गया । ज्ञात हो कि केंद्र सरकार द्वारा आदिम जनजाति सूची में तथाकथित रूप से संशोधन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है और उसका पब्लिक नोटिफिकेशन भी किया गया है जिसकी जानकारी होती हीआदिवासी एकता महासभा के कार्यकर्ता अंबिकापुर आकर कलेक्टर सरगुजा के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किए हैं । ज्ञापन में कहा गया है कि आदिम जनजाति की सूची में सरगुजा के संदर्भ में दो महत्वपूर्ण संशोधन होने चाहिए थे जो कि इसमें नहीं किए गए हैं पहला नगेसिया जनजाति के संबंध में है ।सरगुजा जिला में रहने वाले नगेसिया जनजाति के मूल अभिलेख सरगुजा सर्वे सेटेलमेंट में किसान शब्द का उल्लेख किया गया है जबकि भारत सरकार द्वारा घोषित सूची में नगेसिया अथवा नगासिया का उल्लेख 32 वे क्रम में है। क्योंकि इनके राजस्व अभिलेखों में किसान शब्द का उल्लेख है इसलिए इन्हें नगेसिया जनजाति को मिलने वाली किसी भी प्रकार की सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है । उसी प्रकार से सरगुजा जिला की एक और जनजाति है अगरिया इस जनजाति के सरगुजा सर्वे सेटेलमेंट में लोहार शब्द का उल्लेख किया गया है इस कारण से इन अगरिया आदिवासियों को आदिवासी के नाते मिलने वाली सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। वास्तव में इन दोनों जनजातियों के जाति विसंगति में जो सुधार किया जाना चाहिए था वो इस संशोधन बिल में कहीं नजर नहीं आता है । इसी बात को लेकर आज आदिवासी एकता महासभा द्वारा ज्ञापन कलेक्टर सरगुजा के माधयम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है ।

आईजी व एसपी ने दरिमा एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

एयरपोर्ट पर पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के लिए बनेगा बैरक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता ने मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा का निरीक्षण किया। आईजी द्वासरा एयरपोर्ट दरिमा में हो रहे निर्माण कार्यो की विस्तृत जानकारी ली गई एवं सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी कर्मचारियों से ड्यूटी एवं आवास के संबंध में जानकारी ली गई। इस दौरान पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की आवासीय समस्या की जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के लिए बैरक निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार कर शासन को भेजने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा सुरक्षा दृष्टिगत सभी मोर्चा के संबंध में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों से जानकारी ली गई एवं एक-एक मोर्चा की वस्तुस्थिति देखकर पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा संबंधी दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिले जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप एवं समस्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशासनिक अमला मौजूद रहे।

ठंड से बचने हेतु अलाव जलाने के निर्देश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम की आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई ने कहा है कि नगर में निसहाय आवासहीन, गरीब एवं राहगिरों के ठण्ड से प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने ठंड एवं शीत लहर से बचाव हेतु चिन्हांकित स्थलों पर अलाव जलाने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। आयुक्त ने अलाव जलाने की समुचित व्यवस्था हेतु वाहन चालक कृष्णा राम, बाबूलाल, नार सिंह, ओमप्रकाश शिवमंगल राम, गुलाम रसूल, बजरंग श्रीवास, जगदम्बा एवं दिनू राम को कार्य करने हेतु निर्देशित किया है।

विवेचकों को भौतिक साक्ष्य संकलन की दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के मार्गदर्शन में पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में रेंज स्तरीय एक दिवसीय भौतिक साक्ष्य संकलन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईजी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। नेशनल आटोमेटेड फिगंर प्रिंट आइडेंटीफिकेशन सिस्टम एनएएफआईएस द्वारा प्रदाय सॉटवेयर एमईएसए के बारे में विवेचकों को विस्तृत जानकारी दी गई। विवेचकों द्वारा हर प्रकरण में गिरफ्तार अपराधियों का सर्च स्लिप, रिकार्ड स्लिप तैयार करने हेतु प्रशिक्षण देते हुए आरोपियों की फिंगर प्रिंट, फुटप्रिंट, डीएनए सैंपल तथा ब्लड सैंपल को घटनास्थल से संग्रह करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। घटनास्थल से सूक्ष्तम साक्ष्य लेकर स्लिप तैयार कर आनलाईन नेशनल क्राईम रिपोर्ट व्यूरो को भेजने संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, अपराध अनुसंधान शाखा (डीसीबी), लोक अभियोजन शाखा के अधिकारी व रेंज स्तर पर आए लगभग 150 विवेचकों को प्रशिक्षण दिया गया।

सड़क पार करने के दौरान चारपहिया वाहन ने महिला को मारी टक्कर,मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सड़क पार करने के दौरान अज्ञात चार पहिया वाहन ने महिला को टक्कर मार कर फरार हो गया। दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर निवासी कृष्णा प्रसाद 8 दिसंबर की शाम को अपनी दादी के साथ बाइक से माझापारा से अपने घर जा रहा था। तभी देखा की एनएच मुख्य मार्ग पर सड़क पार करने के दौरान एक महिला को चार पहिया वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया। कृष्णा प्रसाद नजदीक जाकर देखा तो पता चला की घायल महिला कोई और नहीं मेरी मां संतरा बाई है। वह तत्काल घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और घायल महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान 8 दिसंबर की देर रात मौत हो गई।

अस्पताल की बिजली व्यवस्था सुधारने सीएसईबी की टीम ने किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

चार दिन पूर्व एसएनसीयू में चार नवजात बच्चों की मौत के बाद जिला प्रशासन व अस्पताल प्रबंधन व्यवस्था सुधारने में लगी हुई है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा लगातार व्यवस्थाओं व इलाज की मॉनिटरिंग की जा रही है। मरीजों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए अस्पताल प्रबंधन देर रात तक अस्पताल में मॉनिटरिंग कर चिकित्सकों की उपलब्धता व अन्य जानकारी ली जा रही है। इसी के तहत शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सीएसईबी के इंजीनियर द्वारा अस्पताल परिसर में लगे सभी बिजली के ट्रांसफार्मरों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह व अस्पताल सलाहकार ने अस्पताल में होने वाली बिजली की परेशानियों से उन्हें अवगत कराया। सीएसईबी के इंजीनियर द्वारा जल्द ही सुधार कार्य और डबल लाइन कनेक्शन देने की बात कही गई है। जिससे अब अस्पताल में बिजली की होने वाली परेशानी से निजात मिल पाएगा। इससे अस्पताल में बिजली के पावर की सप्लाई अच्छे से हो पाएगा।

रुपए व जेवरात चोरी कर अपचारी बालकों ने खरीदी बाइक व अन्य सामान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एक सप्ताह पूर्व नमनाकला स्थित आटा चक्की व्यवसायी के घर से अज्ञात चोरों ने दिन दहाड़े अलमारी का लॉक तोड़कर चाढ़ चार लाख रुपए नकद व सोने का दो कंगन चोरी कर लिया गया था। इस मामले में गांधीनगर पुलिस ने दो अपचारी बालक को पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की दो लाख 10 हजार रुपए नकद, नई बाइक, मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने चोरी के मामले में अपचारी बालकों को न्यायालय में पेश कर बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ललित तिर्की नमनाकला का रहने वाला है। वह घर से कुछ दूरी पर आटा चक्की चलाता है। वह 1 दिसंबर की शाम को 4 बजे घर में ताला बंद कर अपनी बेटी को कोचिंग छोड़ने गया था। इसके बाद वह आटा चक्की दुकान चला गया। शाम 6 बजे कोचिंग से बेटी को लेकर घर गया और उसे छोड़कर सब्जी लेने चला गया था। इधर बेटी ने फोन कर आलमारी खुले होने की बात बताई। फिर ललित ने जब घर आकर देखा तो आलमारी का लॉक टूटा था और सोने के दो कंगन नहीं थे। वहीं जमीन बेचकर रखे गए रुपए नहीं थे। उसने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर मामले के संदेहियों पर पुलिस टीम द्वारा नजर रखी जा रही थी। संदेही अपचारी बालकों द्वारा कई प्रकार के सामान खरीदे जाने की जानकारी सरगुजा पुलिस को प्राप्त हुई। पुलिस ने दो अपचारी बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। अपचारी बालकों ने पुलिस को बताया कि चोरी की रुपए से बाइक व अन्य सामान खरीदने की बात कही। पुलिस ने अपचारी बालकों के कब्जे से नई बाइक, 2 नग मोबाइल व 2 लाख 10 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दोनों अपचारी बालकों को न्यायालय में पेश कर बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। उप निरीक्षक विजय दुबे, सहायक उपनिरीक्षक विनय सिंह, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, सत्येंद्र दुबे, अनुज जयसवाल, अरविंद उपाध्याय, अमृत सिंह, उमाशंकर साहू एवं नगर सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

सैनिक शासन को झटका,अमेरिका ने म्यांमार से राजनयिक संबंध का दर्जा गिराया

यंगून , 09 दिसम्बर 2022। सैनिक शासन को सख्त संदेश भेजते हुए अमेरिका ने म्यांमार के साथ अपने राजनयिक संबंध का दर्जा गिरा दिया है। इसके तहत यंगून स्थित अमेरिकी राजदूत थॉमस वाजदा को इसी महीने लौटने को कहा गया है। उनकी जगह किसी पूर्णकालिक राजदूत की नियुक्ति नहीं की जाएगी। वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

इस वेबसाइट की तरफ से भेजे गए एक ई-मेल के जवाब में अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजदूत वाजदा की रवानगी के बाद वहां मौजूद दूसरे नंबर के अधिकारी (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) डेबॉराह लिन उनकी जिम्मेदारियां संभालेंगे।

विश्लेषकों के मुताबिक इस कदम के जरिए अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने यह संदेश दिया है कि वह म्यांमार की मौजूदा सरकार को मान्यता नहीं देता है। सैनिक शासन ने 2023 में आम चुनाव कराने का एलान किया है। अमेरिका इस बात की निगरानी करेगा कि वे चुनाव किस तरह कराए जाते हैं। उसके बाद ही वह म्यांमार के बारे में अपना अगला रुख तय करेगा। फिलहाल अमेरिका ने आशंका जताई है कि मौजूदा माहौल में म्यांमार में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है।

म्यांमार में एक फरवरी 2021 को सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों का तख्ता पलट कर सत्ता खुद संभाल ली थी। अमेरिका ने इसके बाद म्यांमार पर कई प्रतिबंध लगाए थे। इसके पहले 1990 के दशक में जब सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डाल कर सत्ता पर कब्जा जमाया, तब 20 वर्ष तक अमेरिका ने म्यांमार के लिए राजदूत की नियुक्ति नहीं की थी। 2010 में जब म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल की गई, तब अमेरिका ने वहां अपना राजदूत भेजा था। इसके बाद 2011 में तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने म्यांमार की यात्रा की थी। इस तरह 57 साल के बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री ने म्यांमार की यात्रा की। 2012 में बराक ओबामा म्यांमार की यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे।

थॉमस वाजदा जनवरी 2021 में राजदूत बन कर यहां आए थे। उसके कुछ ही दिन के बाद आम चुनाव में विजयी हुई आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी का तख्ता पलट कर सेना ने सत्ता पर कब्जा जमा लिया। उसके बाद से पश्चिमी देश यहां अपना राजदूत भेजने को लेकर अनिच्छुक रहे हैं। नियुक्ति के बाद किसी राजदूत को संबंधित देश के राष्ट्राध्यक्ष के सामने अपना परिचय पत्र पेश करना होता है। फिलहाल सैनिक शासक जनरल मिन आंग हलायंग म्यांमार के राष्ट्राध्यक्ष हैं।

एक पश्चिमी राजनयिक ने वेबसाइट निक्कई एशिया से कहा कि पश्चिमी देश नहीं चाहते कि उनका राजदूत ऐसे व्यक्ति के सामने अपना परिचय पत्र पेश करे, जिसने तख्ता पलट किया है। उन्हें आशंका है कि इससे गलत धारणा बनेगी। इससे माना जाएगा कि ये देश सैनिक शासन को मान्यता दे रहे हैं।

अमेरिका के पहले जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और दक्षिण कोरिया भी म्यांमार से राजनयिक संबंधों का अपना दर्जा गिरा चुके हैं। राजयनिक सूत्रों के मुताबिक यूरोपीय देशों में आपसी सहमति बनी है कि वे यंगून में अपने दूतावास बनाए रखेंगे, लेकिन वहां अपने राजदूत म्यांमार नहीं भेजेंगे।

अमेरिकी कांग्रेस ने समलैंगिक विवाह विधेयक किया पारित

वाशिंगटन, 09 दिसम्बर 2022। अमेरिकी कांग्रेस ने समलैंगिक विवाह विधेयक को पारित कर इसे राष्ट्रपति जो बाइडेन के हस्ताक्षर के लिए व्हाइट हाउस भेज दिया है। सीनेट में पारित होने के एक सप्ताह बाद प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को 258-169-1 मत से विवाह अधिनियम को पारित कर दिया है। विधेयक पर हुए मतदान के दौरान सीनेट डेमोक्रेटिक कॉकस के सभी सदस्यों और 12 रिपब्लिकन्स ने इसके पक्ष में मतदान किया।

सुप्रीम कोर्ट के रूढ़िवादी न्यायधीश के संकेत के बाद इस वर्ष गर्मियों में विधेयक पेश किया गया था।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने जीता मानहानि का मुकदमा, ब्रिटिश अखबार ने मांगी माफी

इस्लामाबाद/लंदन , 09 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ब्रिटिश अखबार डेली मेल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा जीत लिया है। डेली मेल अपने पत्रकार डेविड रोज के एक लेख में पाक पीएम शहबाज के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने में विफल रहा। अखबार ने गुरुवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से माफी मांगी और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के सभी निराधार आरोप वापस ले लिए।

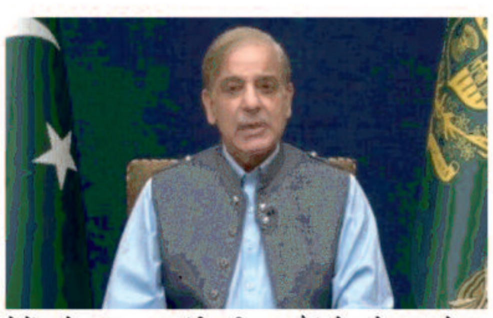

इस पर पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि एक और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अब भ्रष्टाचार मुक्त घोषित कर दिया गया है। पाकिस्तान की सूचना एवं प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक बयान में कहा कि डेली मेल द्वारा मांगी गई माफी से शहबाज शरीफ दुनिया के सामने विजयी हुए हैं। वहीं, पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री राणा तनवीर हुसैन ने ट्वीट कर कहा कि डेली मेल का माफीनामा इस बात का सबूत है कि इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) का इस्तेमाल राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में किया।

शरीफ पर लगा था विदेशी सहायता धन के गबन का आरोप

ब्रिटिश अखबार द मेल ऑन संडे और समाचार वेबसाइट मेल ऑनलाइन ने 4 जुलाई, 2019 को प्रकाशित एक लेख में एक त्रुटि के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से माफी मांगी है, जिसमें शरीफ पर ब्रिटिश विदेशी सहायता धन की चोरी करने का आरोप लगाया गया था।

खोजी पत्रकार डेविड रोज के इस लेख को अब अखबार की वेबसाइट और अन्य प्लेटफार्मों से हटा दिया गया है। लेख में दावा किया गया था कि शहबाज शरीफ ने साल 2005 के भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास के लिए यूनाइटेड किंगडम के डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट द्वारा प्रदान किए गए धन का गबन किया था, जब वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री थे।

सत्ताधारी गठबंधन में सेंध के लिए ओली ने लगाई पूरी ताकत,हर चाल चलने के लिए तैयार पूर्व पीएम

काठमांडू , 09 दिसम्बर 2022। आम चुनाव में दूसरे नंबर पर फिसल जाने के बाद नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने सत्ताधारी गठबंधन में सेंध लगाने में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए हुए आम चुनाव में यूएमएल को सिर्फ 78 सीटें मिलीं। नेपाली कांग्रेस 89 सीटों के साथ साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जबकि उसके नेतृत्व वाले पांच दलों के गठबंधन ने पूर्ण बहुमत से दो कम यानी 136 सीटें जीती हैं। ऐसे में आम सियासी समीकरणों के बीच यूएमएल के लिए अगले पांच साल तक सत्ता हासिल कर पाना संभव नहीं है।

यूएमएल के नेताओं ने अपने सार्वजनिक बयानों में कहा है कि वे विपक्ष की भूमिका खुशी-खुशी निभाएंगे। पार्टी के उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडेय ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा- 'प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा गठबंधन चलाने में सक्षम हैं। इसलिए वे नई सरकार का नेतृत्व करने की स्थिति में हैं।' हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यूएमएल अंदर ही अंदर सत्ताधारी गठबंधन को तोड़ने की चालें लगातार चल रही है। इन रिपोर्टों के मुताबिक यूएमएल को अपनी इस कोशिश में अभी कोई कामयाबी नहीं मिली है। इसके बावजूद उसने अपने प्रयास रोके नहीं हैं।

खबरों के मुताबिक, यूएमएल नेता देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस और सत्ताधारी गठबंधन की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत कर रहे हैं। अखबार काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि यूएमएल के उपाध्यक्ष विष्णु पौडेल, महासचिव शंकर पोखरेल और उप महासचिव पृथ्वी सुब्बा ने बीते कुछ दिनों में माओइस्ट सेंटर के नेताओं से बातचीत की है। उन नेताओं में माओइस्ट सेंटर के महासचिव देव गुरुंग भी शामिल हैं।

यूएमएल की सेंट्रल कमेटी के एक नेता ने काठमांडू पोस्ट से कहा- 'अभी मैं ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता, लेकिन हमारी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को तोड़ने के लिए काम कर रही है। हमारा पहला मकसद यूएमएल के नेतृत्व में सरकार बनाना है। अगर हम सत्ताधारी गठबंधन से माओइस्ट सेंटर को अलग नहीं कर पाए, तो उसका मतलब होगा कि हम राष्ट्रपति या कोई अन्य महत्त्वपूर्ण पद पाने में नाकाम हो जाएंगे।'

यूएमएल नेताओं ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में स्वीकार किया है कि सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों के एकजुट रहने का सार्वजनिक संकल्प जताने के बाद उनकी पार्टी का काम मुश्किल हो गया है। लेकिन उनका आकलन है कि अगर प्रधानमंत्री देउबा माओइस्ट सेंटर को प्रमुख मंत्री पद देने को राजी ना हुए, तो एक बार फिर से गठबंधन में दरार पड़ सकती है। यूएमएल की सेंट्रल कमेटी के सदस्य विष्णु रिजाल ने कहा है- 'गठबंधन के अंदर जो चल रहा है, हमारी पार्टी उस पर नजर रखे हुए है। अगर हमारे लिए अनुकूल स्थितियां बनीं, तो हम अपने नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा करेंगे।'

यूएमएल की कोशिशों से सत्ताधारी गठबंधन के नेता भी वाकिफ हैं। माओइस्ट सेंटर के उप महासचिव पम्फा भूसाल ने काठमांडू पोस्ट से कहा- 'यूएमएल सत्ताधारी गठबंधन को तोड़ने के लिए बेसब्र है। संभवतः यूएमएल नेताओं ने कई आकर्षक प्रस्तावों के साथ सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं से संपर्क किया है। लेकिन हमारी पार्टी का नेपाली कांग्रेस से संबंध तोड़ने की कोई योजना नहीं है।'

इस देश में जून 2023 में घट जाएगी नागरिकों की उम्र,हो जाएंगे एक से दो साल युवा

सियोल , 09 दिसम्बर 2022। दुनिया में अधिकांश व्यक्ति इसी बात से परेशान रहते हैं कि उनकी उम्र बढ़ रही है। उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक बीमारियां तो घेरती ही हैं, साथ ही नौकरी से रिटायरमेंट और अन्य आर्थिक चिंताएं भी सताने लगती हैं। लेकिन एक ऐसा देश भी है, जहां जून, 2023 तक नागरिकों की उम्र एक से दो साल घटने वाली है।

सुनने में यह बात भले ही अजीब लगे, लेकिन दक्षिण कोरिया में ऐसा ही होने जा रहा है। हालांकि, यहां के नागरिकों की उम्र सिर्फ आधिकारिक दस्तावेजों पर ही घटने जा रही है। फिर भी सरकार का ऐसा फैसला चौंकाने वाला है।

कैसे घटेगी दक्षिण कोरिया के लोगों की उम्र

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दक्षिण कोरियाई सरकार की ओर से एक कानून पारित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि देश अपने नागरिकों की उम्र की गिनती, पारंपरिक तरीके से न करके अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर करेगा। इस कानून के बाद हुए संशोधन के आधार पर यहां के नागरिकों की आधिकारिक दस्तावेजों पर एक से दो वर्ष कम हो जाएगी। यह कानून जून, 2023 से प्रभावी होगा।

अभी तक कैसे मापी जाती थी उम्र

दक्षिण कोरिया अपने नागरिकों की उम्र की गणना के लिए पारंपरिक तरीका अपनाता है। इस अनुसार यहां के लोगों को जन्म के समय एक वर्ष का माना जाता है। साथ ही, हर साल एक जनवरी को उनकी उम्र में एक साल जोड़ा जाता है। इसके अलावा शराब या धूम्रपान के लिए यहां एक और तरीके से उम्र की गणना की जाती है। इसके तहत व्यक्ति की आयु की गणना जन्म के समय शून्य से की जाती है और 1 जनवरी को एक वर्ष जोड़ा जाता है। दरअसल, दक्षिण कोरियाई लोग मां के कोख में बिताए गए नौ महीनों को भी बच्चे की उम्र में जोड़ते हैं।

चिकित्सा और कानूनी दस्तावेजों में अंतरराष्ट्रीय मानक

पारंपरिक तरीके अलावा दक्षिण कोरिया सिर्फ चिकित्सीय और कानूनी दस्तावेजों में आयु की गणना के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक अपनाता है। इसके तहत जन्म के समय व्यक्ति की उम्र शून्य मानी जाती है और प्रत्येक जन्मदिन पर उसकी उम्र में एक साल जोड़ा जाता है। हालांकि, अब आधिकारिक दस्तावेजों में उम्र का पैमाना अंतरराष्ट्रीय मानकों पर निर्भर करेगा।

बंदियों की हुई अदला-बदली, हथियार व्यापारी के बदले रूस ने बास्केटबाल स्टार ब्रिटनी को छोड़ा

वाशिंगटन , 09 दिसम्बर 2022। अमेरिका और रूस के बीच रिश्ते किस कदर खराब हैं, यह दुनिया से छिपा नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। हालांकि, अब इन दो महाशक्तियों के बीच से राहत की खबर सामने आई है। पता चला है कि दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत जारी है।

दरअसल, दोनों देशों ने हाल ही में बंदियों की अदला-बदली की है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका की बास्केटबाल स्टार ब्रिटनी ग्राइनर को रूस ने रिहा किया है तो इसके बदले रूस के हथियार व्यापारी विक्टर बाउट को भी अमेरिका ने छोड़ दिया है।

आठ महीने से रूस में बंद थीं ब्रिटनी

अमेरिकी की स्टार खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटनी ग्राइनर आठ महीने से रूस की जेल में बंद थीं। उनकी गिरफ्तारी रूस में नशीला पदार्थ ले जाने के आरेप में हुई थी। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि रूस में जिसे नशीला पदार्श माना जाता है, उस पर अमेरिका समेत कई देशों पर प्रतिबंध नहीं है।

अमेरिका ने छोड़ा मौत का सौदागर

उधर, ब्रिटनी के बदले अमेरिका ने रूस के हथियार व्यापारी बाउट को रिहा किया है। दुनिया के कई अशांत क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के लिए उन्हें एक समय मौत का सौदागर भी कहा जाता था। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से इस अदला-बदली की पुष्टि भी की गई है।

आबूधाबी में हुई अदला-बदली

रूस और अमेरिका के बीच बंदियों की इस अदला-बदली की मध्यस्थता यूएई के राष्ट्रपति मुहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान और सऊदी के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान के प्रयासों से हुई। दोनों के रूस और अमेरिका से अच्छे संबंध हैं। बता दें, दोनों बंदियों को पहले आबूधाबी लाया गया, जिसके बाद उन्हें अपने-अपने देश भेजा गया।

पॉल व्हेलन को रिहा नहीं करा पाया अमेरिका

रूसी जेल में बंद पॉल व्हेलन की रिहाई की मांग भी अमेरिका में तेजी से उठ रही है। हालांकि, इस बार अमेरिका पॉल व्हेलन को रिहा करान में नाकामयाब रहा। हालांकि, अमेरिकी अमेरिका विदेश विभाग के प्रमुख एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि अमेरिका पॉल व्हेलन को अमेरिका वापस लाने के लिए प्रशासन प्रयास करना जारी रखेगा। बता दें, पॉल जासूसी के आरोप में 2018 से रूसी जेल में बंद हैं।

साल 2021 में मलेरिया के मामले और मौतें स्थिर रहीं : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, 09 दिसम्बर 2022। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, मलेरिया के मामलों और मौतों की वैश्विक संख्या आम तौर पर 2021 में स्थिर रही है, यह प्रभावित देशों द्वारा किए गए प्रयासों को दोगुना करने के लिए धन्यवाद है।

डब्ल्यूएचओ की प्रकाशित नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में वैश्विक स्तर पर मलेरिया से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 6,19,000 थी, जबकि 2020 में यह संख्या 6,25,000 थी।

दुनिया भर में मलेरिया के मामलों में 2020 और 2021 के बीच वृद्धि जारी रही।

मलेरिया के मामलों की वैश्विक संख्या 2021 में 247 मिलियन तक पहुंच गई, जबकि 2020 में 245 मिलियन और 2019 में 232 मिलियन थी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ट्रेडोस अदनोम घेब्रेयसस के अनुसार, यह मामूली वृद्धि मलेरिया प्रभावित देशों द्वारा मलेरिया सेवाओं पर कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों के सबसे बुरे प्रभावों को कम करने के प्रयासों के कारण हुई है।

इस बीच, रिपोर्ट में कहा गया है कि पी. फाल्सीपेरम मलेरिया के लिए आर्टेमिसिनिन-आधारित संयोजन चिकित्सा (एसीटी) सबसे प्रभावी उपचार है। मलेरिया-स्थानिक देशों ने 2019 में 239 मिलियन एसीटी की तुलना में 2021 में दुनिया भर में अनुमानित 242 मिलियन एसीटी वितरित किए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि, अफ्रीका में चुनौतियां बनी हुई हैं, जहां 2021 में मलेरिया के लगभग 95 प्रतिशत मामले और वैश्विक स्तर पर 96 प्रतिशत मौतें हुईं।

सिर्फ चीन को लेकर चिंता तक सीमित न रहे भारत-यूएस संबंध,व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कही बड़ी बात

वॉशिंगटन , 09 दिसम्बर 2022।

अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने भारत-यूएस संबंध को लेकर बड़ा बयान दिया है। व्हाइट हाउस के एशिया समन्वयक कर्ट कैंपबेल का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंध केवल चीन को लेकर आपसी चिंता पर आधारित नहीं होने चाहिए, बल्कि दोनों देशों के बीच तालमेल की गहरी समझ भी होनी चाहिए। कर्ट कैंपबेल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने पिछले दो दशकों में कई बाधाओं को पार किया है और बेहतर द्विपक्षीय संबंध बनाने के लिए कई क्षेत्रों में काम किया है।

वॉशिंगटन स्थित द एस्पेन इंस्टीट्यूट (Aspen Institute) में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अगर आप पिछले 20 वर्षों को देखें, तो हमने कई बाधाओं को पार किया है और दोनों देशों के बीच निकटता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह सिर्फ चीन को लेकर चिंता पर नहीं बना है। यह दो समाजों के बीच तालमेल की गहरी समझ का परिणाम है।

कैंपबेल ने भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कोई भी द्विपक्षीय संबंध पिछले 20 वर्षों में दोनों देशों की तुलना में इतना गहरा और मजबूत नहीं हुआ है। उन्होंने भारत के साथ संबंधों को 21वीं शताब्दी में अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया और लोगों से संबंधों और प्रौद्योगिकी के निर्माण में अधिक क्षमता का आह्वान किया।

दोनों लोकतंत्रों के बीच सहयोग का आह्वान

व्हाइट हाउस के एशिया समन्वयक ने दोनों लोकतंत्रों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों पक्षों की कुछ महत्वाकांक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उन चीजों पर ध्यान देना चाहिए जो हम साथ मिलकर कर सकते हैं, चाहे वह अंतरिक्ष, शिक्षा, जलवायु या प्रौद्योगिकी में हो और वास्तव में उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

क्या छोटे कद वाले व्यक्ति का पुलिस विभाग में वाहन लगाने का है तगड़ा जुगाड़ ?

शहर के एक व्यक्ति के अलावा किसी अन्य व्यक्ति कि नहीं लग पाती पुलिस विभाग में गाड़ी

- » वाहन अधिग्रहण मामले के भुगतान में हुआ है जमकर फर्जीवाड़ा, सूचना के अधिकार में जानकारी देने से भी कतराते हैं विभाग के कर्मचारी
- » क्या बिना निविदा के पुलिस विभाग में नियम विरुद्ध तरीके से लगी है वाहने, एक व्यक्ति की ही सिर्फ क्यो लगती है पुलिस विभाग में वाहन?
- » कोरिया जिले में वाहन अधिकरण में एक व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग पकड़ कर बैठा है तो दूसरा पुलिस विभाग
- » पुलिस विभाग में जो वाहन अधिग्रहण की गई है उसमें से कुछ वाहन टैक्सी परमिट में नहीं प्राइवेट में है
- » बिल का भुगतान किसी और के नाम पर वाहन का पंजीयन किसी और के नाम पर, इस तरह होता है गोरख धंधा
- » आधा तोर आधा मोर में होता है अधिग्रहित वाहन का भुगतान, वाहन अधिग्रहण मामले का मास्टरमाइंड कौन?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

इस समय शासकीय विभागों में वाहन अधिग्रहण करने की एक नई पॉलिसी आ गई है शासकीय वाहन होने के बावजूद भी कई वाहने अलग-अलग विभागों में बाहर से अधिग्रहण किए जाते हैं, जिसके लिए निविदा भी निकलती है पर कई विभागों में बिना निविदा के सेटिंग से ही वाहन लग जाती हैं, कुछ ऐसा ही कोरिया जिले में भी हो रहा है जहां पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभाग सहित कई विभागों में वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, जिसमें से इस समय कोई सुर्खियों में है तो वह है पुलिस विभाग में अधिग्रहित वाहने इस विभाग में एक व्यक्ति कि इतनी पकड़ है कि उसके अलावा किसी और की वाहन अधिग्रहित नहीं होतीं, बिना निविदा के यहां पर कई वाहन चल रहीं हैं और भुगतान लगातार एक व्यक्ति के नाम पर हो रहा है, वह व्यक्ति कितना प्रभावशाली है इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है, वाहन को यदि किसी भी विभाग को किराए पर दिया भी जाता है तो उसका नियम है निजी उपयोग की वाहने नहीं कमर्शियल उपयोग में रजिस्टर्ड वाहन ही दी जाती है पर शहर के एक व्यक्ति की सेटिंग इतनी अच्छी है कि वह निजी वाहन भी अपने नाम पर लगाकर विभाग से पैसे उठा रहे हैं, इस तरह की बातें इस समय जन चर्चा का विषय है वहीं सूत्रों की मानें तो यदि विभाग में लगे वाहनों के दस्तावेज खंगाला जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा पर दस्तावेज खंगालने का अधिकार ना तो पत्रकार के पास है और ना अन्य के पास, इसकी जांच यदि उच्च स्तर पर हो तो सारे फर्जीवाड़ा सामने खड़े हो जाएंगे, सूचना के अधिकार में भी जानकारी नहीं दे पाते कर्मचारी कई, लोगों ने सूचना का अधिकार भी लगाया और कहीं ना कहीं दबाव पूर्वक होने की वजह से यह जानकारी भी ठंडे बस्ते में रह गई।

एक पुलिस अधिकारी जिस वाहन में चल रहे हैं वह टैक्सी परमिट नहीं है निजी वाहन है-

कोरिया जिले में एक पुलिस अधिकारी जिस स्कॉर्पियो वाहन में चल रहे हैं शायद उन्हें भी यह बात की जानकारी नहीं होगी कि वह वाहन टैक्सी परमिट में पंजीकृत नहीं है बल्कि निजी में परमिट में उसका पंजीयन है, एक व्यक्ति की सेटिंग ऐसी है कि वह अपने वाहनों को गलत तरीके से भी पुलिस विभाग में लगाकर लाभ ले रहा है और यदि कभी कोई अनहोनी हो जाए तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या पुलिस में बैठे हुए कर्मचारी जो बिना दस्तावेज जांचे ही वाहनों को अधिग्रहण कर ले रहे हैं या फिर वह व्यक्ति जो गलत दस्तावेज देकर पुलिस को गुमराह कर रहा है?

पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभाग में नहीं अधिग्रहित होतीं हैं दूसरे की वाहने

कोरिया जिले के पुलिस विभाग व स्वास्थ्य विभाग में अन्य किसी की वाहने अधिग्रहित नहीं होतीं हैं,इन विभागों में खासकर जिनकी गाड़ियां पहले से चलती आ रहीं हैं उन्ही की गाड़ियां केवल अधिग्रहित की जाती हैं और अन्य किसी की यदि अधिग्रहित करने की बात आती भी है तो बिना इनसे जिनकी की गाड़ियां विभाग में चल रहीं हैं अनुमति दूसरों की वाहने अधिग्रहित नहीं कि जातीं और भुगतान भी इन्ही के माध्यम से होता है भले ही वाहन इनका न हो,विभाग में पैठ जमा चुके इन गाड़ी मालिकों के अलावा मजाल नहीं कोई दूसरा विभाग में अपनी वाहन लगा सके।

विभागीय पकड़ की दिखाते हैं धौंस

जिले के पुलिस विभाग में जिस व्यक्ति की वाहन लगातार अधिग्रहित हो रही है या जिसके कहने पर ही दूसरों की वाहने अधिग्रहित हो रहीं हैं वह पुलिस विभाग में अपनी पकड़ की धौंस भी जमाता यह भी चर्चा है। बताया जाता है कि उसके बिना इशारा किये कोई पुलिस विभाग में वाहन नहीं लगा सकता और लगाया भी तो भुगतान उसी के माध्यम से होगा यह व्यवस्था बन चुका है।

पुराने अधिग्रहण को देखा जाए तो खुलेगा बहोत बड़ा फर्जीवाड़ा

वाहन अधिग्रहण का पुलिस विभाग का यदि पुराना रिकार्ड खंगाला जाए तो बहोत बड़ा पोल खुलेगा यह तय है, किस तरह बिना टेक्सी परमिट गाड़ियों का अधिग्रहण किया गया है नियम विरुद्ध और किस तरह अनाप शनाप भुगतान कर शासकीय खजाने को खाली किया गया है सब सामने आ जायेगा।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटाडोल में चल रहे व्यवसायिक विषय पर कृषि की छात्राओं द्वारा धान खरीदी केंद्र कोटाडोल का किया गया शैक्षणिक भ्रमण

ईस्नु प्रसाद यादव
संवाददाता मनेंद्रगढ़ , 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के दुरस्त वनांचल क्षेत्र विकासखंड भरतपुर के कोटाडोडोल में छात्राओं ने केंद्र में धान खरीदने एवम किसान को धान बेचने के लिए किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे धान में नमी की मात्रा 14 से 17 होना चाहिए किसान से धान 37कुंटल प्रति हेक्टेयर की दर से खरीदा जाएगा बारदाना कहा से और कैसे मिलता है धान यहां खरीद के कहा भेजा जाता है इत्यादि बातों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में धान खरीदी केंद्र के समन्वयक श्री रमा कांत पाण्डेय कृषि विस्तारक अधिकारी श्री आर. एन. सिंह विद्यालय के कृषि प्रशिक्षक श्री नवीन पाण्डेय एवं व्याख्याता श्री मती प्रिया तिवारी जी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री गुड्डू राम किस्पोट्टा की सरहनीय भूमिका रही है।

यातायात पुलिस कोरबा ने ओवरलोड 06 वाहनों पर 01 लाख 56 हजार का लगाया जुर्माना

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

यातायात पुलिस कोरबा ने ओवरलोड वाहनों पर सख्ती शुरू कर दी है। शुक्रवार को कटघोरा पाली मार्ग पर 04 ओवरलोड वाहनों पर 28-28 हजार का जुर्माना लगाया गया। वहीं हरदीबाजार क्षेत्र में 02 ओवरलोड वाहनों पर 22-22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह कार्यवाही यातायात उप पुलिस अधीक्षक शिव चरण सिंह परिहार और उनकी टीम ने की। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन में मोटर यान अधिनियम के उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ब्लैक फ़िल्म और नो पार्किंग पर खड़ी वाहनो पर भी कार्यवाही की जा रही है। यातायात पुलिस कोरबा ने वाहन क्रमांक CG10 R6630 चालक पुरुषोत्तम कंवर, CG 12 BE 8466 चालक रहमत अली, CG10 BF 2488 चालक धनंजय सिंह राजपूत, CG10 BG 3212 चालक शंकर सिंह राजपूत पर 28-28 हजार का जुर्माना लगाया । वहीं वाहन क्रमांक CG10BG5023 चालक इंद्रजीत प्रजापति और CG10BH7027 चालक नरेंद्र राज पर 22-22 हजार का जुर्माना लगाया गया।

कोरबा जिले में दो स्थान पर अवैध डिपो खोलकर कोयला चोरी व भंडारण कराने के मामले में खनिज विभाग ने की करवाई

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

करतला क्षेत्र में दो स्थान पर अवैध डिपो खोलकर कोयला चोरी व भंडारण कराने के मामले में खनिज विभाग ने करवाई एफआईआर । मामले में पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया है। कोरबा-हाटी मार्ग किनारे करतला क्षेत्र में खान ढाबा के पीछे और चांपा में अवैध कोयला डिपो खुल गया था। एक सप्ताह पहले 30 नवंबर को पुलिस, राजस्व व खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारा था, जहां चांपा में वीरेंद्र सिंह राठिया की निजी भूमि में 30 मीट्रिक टन कोयला का अवैध भंडारण पाया, वहीं खाना ढाबा के पीछे लोहरी सिंह राठिया के जमीन पर बिल्हा (बिलासपुर) निवासी पंचानंद राय भूमिहार ने 10 टन कोयला का भंडारण किया। दोनों ही अवैध डिपो पर तौल कांटा, वाहन समेत लेनदेन के दस्तावेज मिले थे। संयुक्त जांच दल ने उक्त दोनों प्रकरण में चोरी कर खनिज कोयले का अवैध रूप से भंडारण करना पाया, जिसके आधार पर खनिज अधिकारी प्रमोद कुमार नायक ने पुलिस को मामले में एफआईआर के लिए प्रतिवेदन सौंपा। इसके आधार पर करतला थाना में आरोपी कोल माफिया पंचानंद राय समेत उसके अवैध कार्य के लिए जमीन उपलब्ध कराने वाले वीरेंद्र सिंह व लोहरी सिंह के खिलाफ एकराय होकर चोरी का केस दर्ज किया गया।

कोरबा की युवती एवं एक युवक को ड्रग्स के साथ एनसीबी ने रायपुर एयरपोर्ट में पकड़ा

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

रायपुर पुलिस की गिरफ्त में एक ऐसी लड़की आई है जो ड्रग्स की शौकीन बताई गयी है। वह अपने दोस्तों के साथ ड्रग्स लिया करती थी। बताया जा रहा हैं की इसे वह तस्करी करने की ताक में थी मगर पकड़ी गई। इस लड़की को एनसीबी की टीम ने रायपुर के एयरपोर्ट से पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। अब रायपुर पुलिस इनसे ड्रग्स तस्करी से जुड़ी पूछताछ कर रही है। इनके पास से तीन ग्राम मेथाफेटामाइन नाम का ड्रग्स मिलना बताया गया है। लड़की कोरबा जिलान्तर्गत पाली की रहने वाली बतायी जा रही है। इसका रायपुर में आना जाना हुआ करता था। यहां इसका परिचित दोस्त रहा करता था। ये युवक मूलत~ महासमुंद का रहने वाला है। इन दोनों के बारे में एनसीबी को जानकारी मिली थी कि ये लोग ड्रग्स गोवा भेज रहे हैं। एयरपोर्ट से इन्हें गोवा जाते वक्त पकड़ा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बड़ी ही चालाकी से इन लोगो ने ड्रग्स को कुरियर के जरिए गोवा के एक पते पर भेजने का प्लान बनाया। इन्हें डर था कि ये एयरपोर्ट पर पकड़े जा सकते हैं। पुलिस ने इनकी कार जब्त की है। अब इनके खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है ड्रग्स के लेन-देन में शामिल और लोगों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

विपत्तिग्रस्त व्यक्ति के परिजनों को मिला आर्थिक सहायता

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

तीन विपत्तिग्रस्त व्यक्ति के निकटतम वारिस को राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 के तहत 4-4 लाख रूपये आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील लुण्ड्रा धौरपुर के ग्राम सहनपुर निवासी तेजराम नागेश की मृत्यु में डूबने से, ग्राम रीरी गढ़पहाड़ के फुलकुवंर एवं ग्राम कुदर के गोविन्द की सांप काटने से हो गई थी। जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ राजस्व पुस्तक परिपत्र के संशोधित प्रावधान के तहत मृतकों के परिजनों को देने के लिए 4-4 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार द्वारा संबंधित तहसील के तहसीलदार को स्वीकृत अनुदान राशि वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भूपेश सरकार के तानाशाही का होगा अंतःमनोज साहू

आदिवासियों के अपमान का आरोप लगा भाजयुमो ने फूका मुख्यमंत्री का पुतला।

- संवाददाता -
कोरिया/सोनहत 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश संगठन के आह्वान पर व भाजपा मण्डल प्रभारी दृगपाल सिंह, मण्डल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष मनोज साहू के नेतृत्व में गुरुवार को कटगोडी के बाजार स्थल पर भाजयुमो सोनहत मण्डल के कार्यकताओं ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुसला दहन किया।भाजयुमो के अध्यक्ष मनोज साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि अम्बिकापुर मेडिकल कालेज में चार नवजात शिशु की प्रशासनिक लापरवाही से मौत दो दिन पहले हुई है प्रदेश में जब से कांग्रेस की सरकार बनी है स्वास्थ्य विभाग लगातार अपने लापरवाही को लेकर सुर्खियों में रहा आये दिन अस्पतालों में स्वास्थ्य केंद्रों में डाक्टरों की लापरवाही उगार हो रही है विभागीय मंत्री टीएस सिंहदेव कान में तेल डालकर सो रहे हैं,प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व मंत्री टीएस सिंहदेव कुर्सी लड़ाई में व्यस्त है जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है, मंत्री सिंहदेव को अपने पद से स्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि कि यह मामला उनके विधानसभा क्षेत्र से जुडा और यह बहुत ही दुखद घटना है।मनोज ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार व भूपेश बघेल ने झारखंड पुलिस के साथ मिलकर भाजपा नेता ब्रम्हानंद नेताम को गिरफ्तार करने का सडयंत्र रचा व आदिवासियों का अपमान किया जिसके विरोध मे युवा मोर्चा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन कर प्रर्दशन किया है।युवा मोर्चा भूपेश सरकार के तानाशाही से डरने वाली नहीं है आने वाले चुनाव में इनके अत्याचार का करारा जवाब देने तैयार है।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष जायसवाल राम प्रताप मरावी रुद्र साहू लाल मन नेताम मोती लाल राजवाड़े, राजा राम राजवाड़े पूर्व जपं सदस्य हीरालाल भाजयुमो महामंत्री रमेश तिवारी टिकेश्वर राजवाड़े मैनेजर भगत बाल कृष्ण देवांगन मंत्री नीरज पटेल राहुल चौधरी विवेक साहू राकेश राजवाड़े दीपक राजवाड़े राजेश राजवाड़े रिंकू राजवाड़े संजय राजवाड़े मुकेश राजवाड़े महेंद्र राजवाड़े तनु राजवाड़े संभू साहू जय शील चौधरी विदेश राजवाड़े अनुज राजवाड़े सुसील सिंह अजय राजवाड़े टोला सिंह दिलीप साहू गोलू जायसवाल के साथ भाजपा व भाजयुमो के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CMYK

फर्जीवाड़ा में अधिवक्ता गिरफ्तार,चोरी के आरोपियों को छुड़ाने पेश किया था फर्जी जमानतदार

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आरोपियों की जमानत लेने के लिए अधिवक्ता ने एक मृत भूस्वामिनी की पुत्री और उसके रिश्तेदार को न्यायालय में खड़ा कर दिया। न्यायालय को गुमराह करने जमानतकर्ता का फोटो के स्थान पर एक अन्य प्रकरण से जुड़ी महिला का फोटो लगाकर चिपका दिया गया। मामले में विवेचना के बाद अधिवक्ता सहित 03 लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया गया था। इसमें आरोपी कोतवाली थानांतर्गत रामसागर पारा निवासी अधिवक्ता कमलेश साहू को वारंट की तामीली करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसे कोरबा न्यायालय जाते वक्त वीआईपी मार्ग में घेराबंदी कर पकड़ा गया। बता दें कि यह मामला पाली थाना क्षेत्र का है जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट भगवान दास पनिका के न्यायालय में फर्जी जमानतदार खड़ा कर जमानत ली गई थी। पुलिस चौकी हरदीबाजार के इस्तगासा क्रमांक 5/20 धारा 41 (1-4) जा.फौ. तथा 379 भादवि के प्रकरण में 21 फरवरी 2020 को आरोपी पवन कुमार श्रीवास्तव पिता सवलिया 24 वर्ष निवासी छपरा व जमीर अहमद मंसूरी पिता सफी मोहम्मद 46 वर्ष निवासी मुंबई हाल मुकाम पोड़ीबहार का जमानत आवेदन पेश किया गया। आरोपियों की तरफ से अधिवक्ता कमलेश साहू व राजेश राठौर उपस्थित हुए। राजेश राठौर ने पाली के वार्ड क्र. 11 निवासी मनटोरा बाई को बुलाकर उसकी स्व. मां इतवारा बाई का मूल ऋण पुस्तिका जमानत हेतु प्राप्त किया गया। मनटोरा बाई को प्रलोभन देकर एवं रिश्तेदार कुंवारिया बाई को भरोसे में लेकर

न्यायालय में इतवारा बाई का ही नाम बताने की सांठगांठ की गई। जमानत लेने से पहले दोनों महिलाओं का शपथ पत्र अधिवक्ता कमलेश साहू के साथ आए मुंशी आशीष कुमार साहू को फर्जी जमानतदार तथा पहचानकर्ता का नाम व पता गलत बताकर शपथ अन्य अधिवक्ता बीएल जायसवाल से नोटरी कराया गया। उक्त दस्तावेज प्रस्तुत कर दोनों आरोपियों की जमानत ले ली गई। जमानत के दौरान न्यायालय द्वारा जमानतदार इतवारा बाई (जो कि वास्तव में मृत है) का आधार कार्ड मांगा जो अशिक्षित होने व जल्दबाजी में नहीं लाना बताकर दूसरे दिन स्वयं प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया। बाद में आज कल कहकर न्यायालय को गुमराह किया गया। न्यायालय द्वारा जांच कराने हेतु आदेशित करने पर षड़यंत्रपूर्वक एक अन्य पक्षकार श्रीमती निर्मला सारथी द्वारा अपने पति स्व. जगन्नाथ सारथी की सड़क दुर्घटना में मौत होने पर बीमा क्लेम हेतु दिए गए फोटो को न्यायालय के रिकार्ड में मनटोरा बाई के स्थान पर चस्पित कर दिया गया। इस पूरे मामले में विवेचना पश्चात एसआई अशोक शर्मा के द्वारा कूटरचना कर फर्जी रूप से मृत महिला के नाम पर उसकी पुत्री को खड़ा कर व अन्य महिला को पहचान हेतु मूल पता न बताकर अपराधिक षड़यंत्र करने का दोषी पाया गया। आरोपी अधिवक्ता राजेश राठौर पिता भगवान प्रसाद राठौर निवासी टॉवर मोहल्ला, श्रीमती मनटोरा बाई पति स्व. सालिक राम धनुहार 55 वर्ष निवासी वार्ड 11 एवं श्रीमती कुंवरियां बाई पति जगत राम धनुहार 38 वर्ष निवासी ग्राम बगदरा पाली के विरुद्ध धारा 193, 419, 420, 468, 469, 470, 471, 120 बी व 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। इसी प्रकरण में गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तारी के तौर तरीके पर अधिवक्ताओं ने नाराजगी जाहिर की ।

नियम विरूद्ध राख फेंकने से भड़के राजस्व मंत्री,अफसरों को लगाई फटकार कहा : मै इस शहर का सत्यानाश नहीं होने दूंगा...

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा में नियम के विरुद्ध कही भी राख डंप किए जाने से नाराज प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अधिकारियों की क्लास ली। मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने मौके पर ही अपर कलेक्टर, निगम आयुक्त और एसडीएम को जमकर फटकार लगाई। दरअसल कोरबा- चांपा मार्ग पर भिलाई खुर्द वार्ड के समीप बड़े क्षेत्र में राखड़ डंप कर दिया गया है। नियम के विरुद्ध राख का पहाड़ खड़ा कर दिया गया । अफसरों की इस लापरवाही से आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। लोगों की परेशानी को देखते हुए मंत्री जयसिंह अग्रवाल भिलाई खुर्द पहुंचे और मौके पर ही अधिकारियों की क्लास लगाई। जयसिंह अग्रवाल ने अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर राख को 2apas शिफ्ट नही किया गया तो अच्छा नही होगा। साथ ही शहर के बीच से ट्रको की ट्रांसपोर्टिंग को रोकने के भी निर्देश दिए । प्रशासन द्वारा नियम विरुद्ध कहीं भी राखड़ डालने जाने से लोगों का जीवन गुजारना दूभर हो गया है । हल्की तेज हवा के बाद पूरा क्षेत्र राख से पट गया है। इस दौरान निगमायुक्त ने कहा के निगम के अंतर्गत आने वाले रिहाहीसी क्षेत्र में राखड़ डालना मना है ,पर यहाँ बताना लाजमी होगा के जहाँ ये राखड़ डाला गया है उसके पास स्कूल है जो रिहाहीसी के अंतर्गत आता है द्व ऐसे में बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

डीऍफ़ओ ने जंगल में राखड़ डंप करने पर पांच हाईवा जब्त कर की कार्यवाही

- संवाददाता -
कोरबा, 09 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा के बिजली घरों से निकलने वाली राख को कहीं भी डंप करने का काम धड़ल्ले से चल रहा है। इसके कारण खेती किसानी और आम लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वन विभाग ने पांच हाईवा इस गाड़ी में जब्त कर लिया जो जंगल के इलाके में राखड़ डंप कर रहे थे। बिजली बनाकर उसका व्यवसायिक उपयोग करने वाले संस्थान इस बात से कोई वास्ता नहीं रखते हैं कि उनके यहां से निकल रही राख का निस्तारण किस तरह से हो रहा है। प्रबंधन के द्वारा इस मामले में फ्लाई ऐश को मौके से हटाने के लिए ट्रांसपोर्टर को ठेका दे दिया गया है और दूसरी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया गया है। ऐसे में ट्रांसपोर्ट करने वाली पार्टियां अपने मनमाने तरीके से कहीं भी फ्लाई ऐश को फेंकने का काम कर रही हैं । उनके द्वारा जंगल को भी निशाने पर लिया गया है। ऐसी ही सूचना पर वन विभाग ने एक स्थान पर कार्यवाही की और 05 हाईवा वाहन को जब्त कर लिया।हालांकि इस प्रकार के मामले पहले भी आते रहे हैं लेकिन उन्हें यूं ही चलता कर दिया जाता रहा।कोरबा डीएफओ अरविंद पीएम की पदस्थापना के बाद इस प्रकार के घटनाक्रम को गंभीरता से लेने का काम शुरू हुआ है। वन विभाग ने इस कार्रवाई के जरिए संदेश देने का प्रयास किया है। वही डी.ऍफ़.ओ अरविंद बताया कि जो भी पार्टियां फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टिंग के काम में रुचि ले रही हैं वे सही जगह का चयन कर ले। हमारे जंगल इस काम के लिए नहीं है और अगर ऐसी हरकतें होंगी तो कठोर कार्यवाही जरूर की जाएगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं 202210021700122/अ-6/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुजूर आ0 स्व0रूपूस कुजूर जाति उरांव,निवासी ग्राम ठाकुरपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा वर्तमान ठाकुरपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 698/1 रकबा 0.1800 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में वर्तमान खातेदार व अनावेदक बिजबिनको आरगेन कुजूर आ0 स्व0 रूपूस कुजूर जाति उरांव,निवासी ग्राम ठाकुरपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के साथ उत्तराधिकार के आधार पर अपना नाम सहखातेदार के रूप में दर्ज कराने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/12/2022 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावाआपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 21/11/2022को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01122022-240685
CG-DL-E-01122022-240685

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5319] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 30, 2022/अग्रहायण 9, 1944
No. 5319] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 30, 2022/AGRAHAYANA 9, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 2022

का.आ. 5551(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के लटोरी तहसील में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 के कि.मी. 356.867 से कि.मी.357.913 तक (जयनगर रेलवे लेवल क्रॉसिंग AB-72 में रेलवे ब्रिज निर्माण पहुँच मार्ग सहित) (अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) तक के भू-खण्ड के निर्माण (चौड़ी करण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबन्धन और प्रचालन के लोक प्रयोजन के लिए वह भूमि अपेक्षित है जिसका संक्षिप्त वर्णन नीचे अनुसूची में दिया गया है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 21 दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रकट कर सकेगा ।

ऐसी प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को लिखित रूप मे प्रस्तुत की जाएगी और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप मे या किसी विधिक पेशेवर द्वारा सुने जाने का अवसर देगा और ऐसी आपत्तियों की सुनवाई के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच करने के पश्चात्, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आपत्तियों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा ।

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा ।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि के रेखांक और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के उक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है ।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के लटोरी तहसील में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 के कि.मी. 356.867 से कि.मी. 357.913 तक (जयनगर रेलवे लेवल क्रॉसिंग AB-72 में रेलवे ब्रिज निर्माण पहुँच मार्ग सहित) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना रहित अथवा संरचना सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण

राज्य का नाम: छत्तीसगढ़ जिले का नाम: सूरजपुर

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
तालुक का नाम: लटोरी					
गांव का नाम: जयनगर					
1	1327	सरकारी	शासकीय	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
2	1347	निजी	असिंचित कृषि	0.0260000(हेक्टेयर)	0.0260000
3	1349	निजी	असिंचित कृषि	0.0190000(हेक्टेयर)	0.0190000
4	1351/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000(हेक्टेयर)	0.0130000
5	1351/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
6	1351/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000
7	1351/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
8	1354/1	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0110000(हेक्टेयर)	0.0110000
9	1354/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
10	1355/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
11	1355/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
12	1391	सरकारी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
13	1508	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
14	1510	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
15	1511/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0020000(हेक्टेयर)	0.0020000
16	1511/4	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
17	1512/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000

[भाग II—खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण 3

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
18	1512/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
19	1512/3	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
20	1513	निजी	असिंचित कृषि	0.0380000(हेक्टेयर)	0.0380000
21	1521	निजी	असिंचित कृषि	0.0110000(हेक्टेयर)	0.0110000
22	1522/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
23	1522/2	निजी	सिंचित कृषि	0.0020000(हेक्टेयर)	0.0020000
24	1525	निजी	सिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
25	1526/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
26	1527	सरकारी	शासकीय	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
27	1527/2668	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
28	1528	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
29	1529	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000
30	1532	निजी	असिंचित कृषि	0.0110000(हेक्टेयर)	0.0110000
31	1534	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000(हेक्टेयर)	0.0130000
32	1535	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
33	1536	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0220000(हेक्टेयर)	0.0220000
34	1539	निजी	असिंचित कृषि	0.0180000(हेक्टेयर)	0.0180000
35	1540	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
36	1541	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
37	1542/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
38	1543	निजी	असिंचित कृषि	0.0380000(हेक्टेयर)	0.0380000
39	1675	निजी	असिंचित कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
40	1676	निजी	असिंचित कृषि	0.0150000(हेक्टेयर)	0.0150000
41	1677	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
42	1681/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
43	1682	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
44	1684	निजी	असिंचित कृषि	0.0140000(हेक्टेयर)	0.0140000
45	1685	निजी	असिंचित कृषि	0.0350000(हेक्टेयर)	0.0350000

4 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
46	1688	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
47	1689	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
48	1690/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
49	1690/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
50	1690/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
51	1691	निजी	असिंचित कृषि	0.0020000(हेक्टेयर)	0.0020000
52	1692	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
53	1693	निजी	असिंचित कृषि	0.0090000(हेक्टेयर)	0.0090000
54	1696	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
55	1697	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
56	1698	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
57	1700/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0340000(हेक्टेयर)	0.0340000
58	1700/2	सरकारी	सड़क रास्ता	0.0020000(हेक्टेयर)	0.0020000
59	1701/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000
60	1701/10	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
61	1701/11	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
62	1701/13	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
63	1701/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
64	1701/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
65	1701/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000(हेक्टेयर)	0.0050000
66	1701/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
67	1701/6	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
68	1701/7	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
69	1701/9	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
70	1702	निजी	असिंचित कृषि	0.0700000(हेक्टेयर)	0.0700000
71	1703	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
72	1706	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
73	27	निजी	असिंचित कृषि	0.0400000(हेक्टेयर)	0.0400000

[भाग II—खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण 5

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
74	29	सरकारी	शासकीय	0.0090000(हेक्टेयर)	0.0090000
75	30	सरकारी	ग्राम पंचायत	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
76	31	सरकारी	सड़क रास्ता	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000
77	34	सरकारी	शासकीय	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
78	35	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
79	36/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0190000(हेक्टेयर)	0.0190000
80	37	निजी	असिंचित कृषि	0.0110000(हेक्टेयर)	0.0110000
81	39	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000(हेक्टेयर)	0.0130000
82	40/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
83	40/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
84	40/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
85	42	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
86	43	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
87	46/10	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0140000(हेक्टेयर)	0.0140000
88	46/11	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0270000(हेक्टेयर)	0.0270000
89	46/4	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0190000(हेक्टेयर)	0.0190000
90	46/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
91	46/6	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
92	46/7	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
93	46/8	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
94	47	सरकारी	शासकीय	0.0270000(हेक्टेयर)	0.0270000
95	56/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0360000(हेक्टेयर)	0.0360000
96	56/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
97	57	निजी	असिंचित कृषि	0.0140000(हेक्टेयर)	0.0140000
98	58	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000(हेक्टेयर)	0.0070000
			कुल	1.0980	1.0980

[फा. सं. RO/NH/CG-2022-23/LA/3A]

राजेश गुप्ता, निदेशक

जी नंबर-34882/2

आधिकारिक रूप से पहली महिला अध्यक्ष बनेंगी पीटी उषा

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2022। महान धाविका पी टी उषा शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ के चुनाव में आधिकारिक रूप से पहली महिला अध्यक्ष बन जायेंगी जिससे देश में खेल प्रशासन में नये अध्याय की शुरूआत होगी। वह आईओए के 95 वर्ष के इतिहास में अध्यक्ष पद पर काबिज होने वाली पहली ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता होंगी। बाईस साल पहले खेल को अलविदा कहने से पहले वह ट्रैक और फील्ड में भारत के लिये अनगिनत पदक जीत चुकी हैं। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में चौथे स्थान पर रही उषा आईओए अध्यक्ष पद के लिये निर्विरोध चुनी जायेंगी।

चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायाधीश (सेवानिवृत) एल नागेश्वर राव की निगरानी में हो रहे हैं। उषा के अध्यक्ष बनने के साथ ही गुटबाजी के शिकार आईओए में संकट का भी अंत हो जायेगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने चेताया था कि अगर चुनाव इस महीने नहीं कराये गए तो आईओए को निलंबित किया जा सकता है। संयुक्त सचिव (महिला) और कार्यकारी परिषद के चार सामान्य सदस्यों के लिये चुनाव होगा जिसके लिये 77 मतदाता अपना वोट डालेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ की अलकनंदा अशोक और भारतीय नेटबॉल महासंघ की सुमन कौशिक पद की दौड़ में हैं। वहीं कार्यकारी परिषद के चार पदों के लिये आठ उम्मीदवार दौड़ में हैं।

इनमें अमिताभ शर्मा, भूपेंदर सिंह बाजवा, साइरस पोंचा, हरजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, परमिंदर सिंह ढींढसा, रोहित राजपाल और विठ्ठल शिरगांवकर शामिल हैं। उषा के लिये यह बिल्कुल नयी जिम्मेदारी होगा क्योंकि वह पहले प्रशासन का हिस्सा नहीं रही है। वह फिलहाल भारतीय एथलेटिक्स महसंघ की जूनियर चयन समिति की अध्यक्ष हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा गठित विभिन्न पुरस्कार समितियों की सदस्य रह चुकी हैं। 'पायोली एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर उषा को सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी

का उम्मीदवार माना जा रहा है जिसने उन्हें जुलाई में राज्यसभा सदस्य नामित किया था। एशियाई खेल 1982 से 1994 के बीच में चार स्वर्ण समेत 11 पदक जीत चुकी उषा ने 1986 सियोल एशियाई खेलों में 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर बाधा दौड़ और चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण और 100 मीटर में रजत पदक जीते थे। दिल्ली एशियाई खेल 1982 में उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर में पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने एशियाई चैम्पियनशिप में 14 स्वर्ण समेत 23 पदक जीते हैं। वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में 400 मीटर बाधा दौड़ फाइनल में रोमानिया की क्रिस्टीना कोजोकारू से एक सेकंड के सौंवे हिस्से के अंतर से कांस्य पदक हार गई थी। उषा महाराजा यादविंद्र सिंह के बाद आईओए अध्यक्ष बनने वाली पहली खिलाड़ी होंगी जिसने देश का प्रतिनिधित्व किया है। यादविंद्र सिंह ने 1934 में टेस्ट मैच खेला था जो 1938 से 1960 के बीच आईओए अध्यक्ष रहे।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अजय पटेल सीनियर उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने जायेंगे। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नांग और भारतीय नौकायन महासंघ की अध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव उपाध्यक्ष बनेंगे। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव कोषाध्यक्ष बनेंगे क्योंकि इस पद के लिये वह अकेले उम्मीदवार हैं। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे संयुक्त सचिव (पुरूष) बनेंगे।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त और तीरंदाज डोला बनर्जी कार्यकारी परिषद में आठ उत्कृष्ट खिलाड़ियों की समिति के प्रतिनिधि होंगे। चुनाव में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी मतदान करेंगे। इनके अलावा साक्षी मलिक, पी वी सिंधू, एम एम सोमैया, अखिल कुमार, उषा , गगन नारंग और योगेश्वर भी अपना वोट डालेंगे।

देशव्यापी दौरे के तहत गुवाहाटी पहुंची ट्रॉफी

ओडिशा में पुरूष हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक होना है

गुवाहाटी ,09 दिसंबर 2022। हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी अपने देशव्यापी दौरे के तहत असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी पहुंची। ट्रॉफी की यात्रा मेजबान ओडिशा से शुरू होकर वहीं खत्म होगी। ट्रॉफी यहां मणिपुर की राजधानी इम्फाल से बृहस्पतिवार को पहुंची और इसे शहर में घुमाया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार शीर्ष सरकारी अधिकारियों और असम हॉकी के महासचिव तपन कुमार दास ने ट्रॉफी का स्वागत किया। ट्रॉफी का काफिला जैसे ही गुवाहाटी यूनिवर्सिटी के पास से गुजरा , छात्रों और शिक्षकों ने उसका स्वागत किया।

इसके बाद ट्रॉफी भेटापारा स्थित हॉकी स्टेडियम पहुंची जहां खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इसकी अगवानी की। बाद में कामख्या मंदिर परिसर में ट्रॉफी को झारखंड हॉकी अधिकारियों को सौंपागया जो इसे झारखंड ले जायेंगे। ओडिशा में पुरूष हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक होना है। ट्रॉफी 21 दिन के सफर में 13 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश से गुजरेगी।

टेस्ट सीरीज के लिए रोहित की उपलब्धता पर संशय बरकरार

नयी दिल्ली ,09 दिसंबर 2022। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि चोटिल कप्तान रोहित शर्मा के बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने को लेकर फैसला बाद में लिया जायेगा। रोहित को सात दिसंबर को मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में स्लिप में क्षेत्ररक्षण के दौरान अंगूठे में चोट लगी थी।

शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की है और ढाका में स्थानीय अस्पताल में उनका स्कैन कराया गया। वह विशेषज्ञ को दिखाने मुंबई रवाना हो गए हैं और आखिरी वनडे नहीं खेलेंगे। टेस्ट

श्रृंखला में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में लिया जायेगा।

बीसीसीआई ने चोटिल तेज गेंदबाज दीपक चाहर और कुलदीप सेन को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाने के लिये कहा है। दोनों को चोट लगी है। शाह ने कहा कि तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने पहले वनडे के बाद कमर में जकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी है। वह श्रृंखला में आगे नहीं खेल सकेंगे।

तेज गेंदबाज दीपक चाहर को दूसरे वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी और वह भी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। दोनों अब एनसीए जायेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नौ फरवरी से

मुंबई ,09 दिसंबर 2022। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला नागपुर में नौ नवंबर से शुरू हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी दी।

बीसीसीआई ने भारत के घरेलू सत्र 2023 की घोषणा करते हुए बताया कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैच नागपुर (9-13 फरवरी) के अलावा दिल्ली (17-21 फरवरी), धर्मशाला (1-5 मार्च) और अहमदाबाद (9-13 मार्च) में खेले जायेंगे।

गौरतलब है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 में मेज़बान टीम को 2-1 से हराया था। फरवरी में शुरू होने वाली श्रृंखला भारत की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों के लिये भी महत्वपूर्ण होगी।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया तीन एकदिवसीय मैचों के साथ अपना भारत दौरा समाप्त करेगा। यह वनडे मुकाबले क्रमशः मुंबई (17 मार्च), विशाखापटनम (19 मार्च) और चेन्नई (22 मार्च) में आयोजित होंगे।

इससे पहले भारत साल की शुरुआत में सीमित ओवर श्रृंखलाओं के लिये श्रीलंका और न्यूजीलैंड की मेजबानी भी करेगा। श्रीलंका के भारत दौरे की शुरुआत तीन टी20 मैचों से होगी, जिसके बाद दोनों टीमें तीन एकदिवसीय मैचों में एक दूसरे का सामना करेंगी।

इसके अलावा भारत और न्यूजीलैंड भी 18 जनवरी से एक फरवरी के बीच एक दूसरे के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे।

हॉकी विश्व कप से पहले भुवनेश्वर,राउरकेला में बिछीं नयी पिचें

भुवनेश्वर ,09 दिसंबर 2022। एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में चार नयी पिचें बिछायी गयी हैं। हॉकी इंडिया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि कलिंगा स्टेडियम में मुख्य पिच के साथ-साथ अभ्यास पिच को फिर से बिछाया गया है, जबकि राउरकेला में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा प्रमाणित बिल्कुल नयी पिचें बिछी हैं।

पुरुष विश्व कप 2023 इस अत्यधिक प्रतिष्ठित आयोजन का 15वां संस्करण होगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले राउरकेला में नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम और भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जायेंगे।

अगले साल 13 से 29 जनवरी तक होने वाले प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भारत सहित दुनिया भर की शीर्ष 16 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के लिये 16 टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है। भारत पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि एफआईएच द्वारा प्रमाणित सभी नयी पिचें उपयोग के लिये तैयार हैं। कलिंगा हॉकी स्टेडियम और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम दोनों भाग लेने वाली टीमों और दर्शकों के लिये विश्व स्तरीय सुविधायें प्रदान करेंगे। हम इसके लिये ओडिशा राज्य सरकार के आभारी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है कि विश्व कप का यह संस्करण हर किसी के लिये यादगार हो। गौरतलब है कि भारत इससे पहले 2010 और 2018 में भी पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी कर चुका है।

ऐश बार्टी ने दूसरी बार आस्ट्रेलिया का शीर्ष खेल पुरस्कार जीता

सिडनी, 09 दिसंबर 2022। इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन एकल खिताब जीतने के दो महीने बाद टेनिस को अलविदा कहने वाली ऐश बार्टी ने लगातार दूसरी बार आस्ट्रेलिया का शीर्ष खेल पुरस्कार जीता। बार्टी को द डॉन पुरस्कार दिया गया है जो मशहूर क्रिकेटर डॉन ब्रेडमैन के नाम पर है। बार्टी ने मार्च में 25 वर्ष की उम्र में टेनिस को अलविदा कह दिया।तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता बार्टी उस समय दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी थी। बार्टी के अलावा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सैली पीयरसन (2012, 2014) और ओलंपिक चैम्पियन बांसकूद खिलाड़ी स्टीव हूकर (2008 और 2009) यह पुरस्कार दो बार जीत चुके हैं।

बड़े मियां छोटे मियां में पृथ्वीराज सुकुमारन बनेंगे विलेन

जब से फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की घोषणा हुई है, आए दिन इससे जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के नाम पर पहले ही मुहर लग गई थी और अब इसमें साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सकुमारन की एंट्री हो गई है। टाइगर और अक्षय ने भी फिल्म में उनका स्वागत किया है। वह विलेन की भूमिका निभाने वाले हैं।

अक्षय ने फिल्म से पृथ्वीराज का लुक साझा करते हुए लिखा, बड़े मियां छोटे मियां का परिवार और बड़ा हो गया है। इस क्रेजी एक्शन रोलर कोस्टर राइड में आपका स्वागत है दोस्त। चलो धमाल मचाते हैं। दूसरी तरफ टाइगर ने पृथ्वीराज का यही पोस्टर शेयर कर लिखा, पृथ्वीराज आपका बहुत-बहुत स्वागत है। आपके साथ इस सफर पर चलने का बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि पृथ्वीराज फिल्म में कबीर नाम के एक विलेन का किरदार निभाने वाले हैं।

फिल्म के निर्माता जैकी भगनानी ने कहा, पृथ्वीराज सुकुमारन का बड़े मियां छोटे मियां के कलाकारों के रूप में होना कमाल की बात है। एक विलेन के रूप में उनका होना फिल्म में और ज्यादा रोमांच जोड़ता है। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। उन्होंने इस पर कहा, मैं वास्तव में बेहद प्रतिभाशाली पृथ्वीराज के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। इस एक्शन एंटरटेनर में इस तरह के पावरहाउस परफॉर्मर का होना एक शानदार अनुभव होगा।

बड़े मियां छोटे मियां एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। जिसमें पहली बार टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू होगी। इसे 100 दिनों में दुनियाभर की अलग-अलग लोकेशन में शूट किया जाएगा। यह अगले साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी। निर्माताओं का दावा है कि यह बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म होगी।

साउथ फिल्मों में पृथ्वीराज सुकुमारन किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वह एक लोकप्रिय अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म नंदनम से की थी। मलयालम सिनेमा में अपना नाम कमाने के बाद उन्होंने कई तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया। पृथ्वीराज अब तक लगभग 100 फिल्मों में काम कर राष्ट्रीय पुरस्कार से लेकर फिल्मफेयर पुरस्कार, केरल स्टेट फिल्म पुरस्कार और तमिलनाडु स्टेट फिल्म पुरस्कार तक अपने नाम कर चुके हैं।

पृथ्वीराज की बेहतरीन फिल्मों में से एक मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक बन रहा है। संयोग की बात है कि हिंदी रीमेक में अक्षय लीड रोल में हैं। फिल्म का नाम है सेल्फी, जिसमें अक्षय, पृथ्वीराज का किरदार पर्दे पर उतारने वाले हैं।

पिंक आउटफिट ने केट शर्मा ने पहनी इतनी बोल्ड ड्रेस

फैशनिस्टा केट शर्मा इन दिनों काम से फुरसत होकर अपनी छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं। वहीं, वो अपने फैंस के लिए अपने निजी पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस पिंक कलर के आउटफिट में कहर बरपा रही हैं। केट शर्मा पिंक कलर के आउटफिट में अपने फैंस पर बिजलियां गिरा रही हैं। पिंक ब्रा और शॉर्ट्स में एक्ट्रेस केट शर्मा अपने लुक्स से कहर बरपा रही हैं। दिलकश अंदाज और स्टाइलिश ड्रेस में केट शर्मा ने कई कातिलाना पोज दिए। मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस केट शर्मा अपनी हॉटनेस से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने इस आउटफिट में बेहद ही स्टाइलिश नजर आ रही हैं। रूहदार और कुछ तो जरूरी है जैसी फिल्मों में नजर आई एक्ट्रेस केट शर्मा अपनी बोल्डनेस से हर किसी को दीवाना बना देती हैं। केट शर्मा अपनी बोल्ड तस्वीरें देने से कभी नहीं झिझकती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। केट शर्मा के इंस्टाग्राम पर 2.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

रणवीर सिंह को लगता है कॉमेडी मुश्किल जॉनर

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह, जो अपनी आगामी फिल्म सर्कस के साथ बॉक्स-ऑफिस पर अपने प्रदर्शन को पटरी पर लाने की उम्मीद कर रहे हैं, का मानना है कि अभिनेताओं और निर्देशकों दोनों के लिए कॉमेडी सबसे कठिन शैली है। मुंबई में करंट लगा रे के सॉन्ग लॉन्च के मौके पर उन्होंने अपने डायरेक्टर रोहित शेट्टी को कॉमेडी का बादशाह कहकर बधाई दी।

हालांकि, इस बयान पर बहस की जा सकती है क्योंकि भारतीय सिनेमा में प्रियदर्शन और अनीस बज्मी जैसे निर्देशक भी हैं। रणवीर ने अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण की भी प्रशंसा की और उल्लेख किया कि 2013 में शाहरुख खान-अभिनीत फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस से मीनम्मा का उनका चरित्र उनका अब तक का सबसे पसंदीदा चरित्र है।

अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि सभी शैलियों में से कॉमेडी बहुत मुश्किल है। यह किसी भी अभिनेता या कहानीकार के लिए लिटमस टेस्ट है क्योंकि अगर आप पंचलाइन के लिए बीट मिस करते हैं तो यह कुछ ही समय में ढह सकता है। अपने निर्देशक की प्रशंसा करते हुए, अभिनेता ने कहा, जब मैं रोहित शेट्टी के साथ काम करता हूं तो मेरा हास्य पक्ष सबसे अच्छा सामने आता है क्योंकि वह कॉमेडी के बादशाह हैं और लगभग 16 साल से ऐसा कर रहे हैं।

83 और जयेशभाई जोरदार जैसी भारी फ्लॉप फिल्मों के साथ बॉक्स-ऑफिस पर गर्मी का सामना करने के बाद, रणवीर सर्कस के साथ एक्शन में वापसी करना चाह रहे हैं, जो 23 दिसंबर, 2022 को सिनेमाघरों में उतरेगी।

कीर्ति कुल्हारी की शॉर्ट फिल्म रेस्ट ऑफ द नाइट आज हॉटस्टार पर आएगी

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी जल्द शॉर्ट फिल्म रेस्ट ऑफ द नाइट में दर्शकों से रूबरू होंगी। उन्होंने अपने बैनर किंत्सुकुरॉय फिल्म्स के तहत इसे को-प्रोड्यूस किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट शेयर कर दी है। फिल्म 10 दिसंबर को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर दस्तक देगी। कीर्ति ने फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी दी है। प्रेरित सेठ ने फिल्म का लेखन और निर्देशन किया है।

फिल्म में कीर्ति को कोरोना वायरस की महामारी के लॉकडाउन के दौरान घर में फंसी एक महिला के रूप में दिखाया गया है। घर में बंद पड़े रहने के कारण कीर्ति के कैरेक्टर को अकेलेपन और नींद की परेशानी से जूझना पड़ता है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दर्शकों को भावुक कर देगी। इसमें कीर्ति के साथ अभिनेता विश्वास किनी भी दिखाई देंगे। फिल्म को सिनेमैटोग्राफर प्रशांत दांडेकर ने ब्लैक एंड व्हाइट में शूट किया है।

CMYK

रमन सिंह ने भानुप्रतापपुर में जीत हासिल करने पर दी कांग्रेस प्रत्याशी सावित्री मंडावी को बधाई

साथ ही लगाया सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

रायपुर,09 दिसम्बर 2022(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने भानुप्रतापपुर उपचुनाव में जीत हासिल करने पर कांग्रेस प्रत्याशी सावित्री मंडावी को बधाई दी है, इसके साथ उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने षड्यंत्र के जरिए सत्ता का दुरुपयोग और चरित्र हनन कर भानुप्रतापपुर उपचुनाव में जीत हासिल की है. उन्होंने कहा कि ब्रह्मानंद नेताम पर लगे आरोप और सहानुभूति वोट के कारण कांग्रेस जीत पाई.

अभी शुरू हुई है ईडी और आईआईटी की कार्रवाई

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने ईडी की कार्रवाई को लेकर कहा कि जहां-जहां करप्शन है, वहां ईडी जाएगी. जहां गुड़ है, वहीं मक्खी जाएगी. छत्तीसगढ़ में ईडी और आईआईटी की टीमें आई

नहीं है, बल्कि स्थाई रूप से यहां बैठी हुई हैं. ईडी और आईआईटी की कार्रवाई अभी शुरू हुई है, जो-जो लोग करप्शन में लगे हैं, जो लोग कम्बल ओढ़कर बैठे हुए हैं, जिन लोगों के हाथ और चेहरे कोयले से रंगे हैं, वो लोग बचेंगे नहीं, उन सब पर कार्रवाई होगी.

हिमाचल में एंटी इनकंबेंसी के कारण कांग्रेस

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में भाजपा के पक्ष में ऐतिहासिक रिजल्ट रहा. लगातार विकास के नाम पर गुजरात चुनाव में जीत मिल रही है. लगातार 27 सालों से जीत रहे हैं. वहीं कांग्रेस की यह सबसे खराब हार है. गुजरात की जनता को बधाई. वहीं हिमाचल चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई, लेकिन वोट प्रतिशत से भी कांग्रेस को देखना चाहिए. महज एक प्रतिशत वोट बीजेपी का कम था. कांग्रेस एंटी इनकंबेंसी के कारण जीतकर सरकार बना रही है.

सिविल जज के 48 पदों के लिए विज्ञापन जारी

बिना आरक्षण रोस्टर जारी किये निकली भर्ती

रायपुर,09 दिसम्बर 2022(ए)। प्रदेश में आरक्षण को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इसी बिच छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने सिविल जज के 48 पदों के लिए विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया निकाली गयी है। इसके लिए आवेदन 12 दिसंबर से जमा करने होंगे। सिविल सेवा के पदों की तरह इस बार भी नहीं बताया गया कि किन-किन वर्गों के लिए कितने पोस्ट आरक्षित रहेंगे। अफसरों का कहना है कि परीक्षा के पहले यह तय कर लिया जाएगा।

बता दे की विज्ञापन जारी होने के बाद से आरक्षित वर्ग के लोगों की चिंता बढ़ गई है। ऐसा इस लिए हुआ है क्योंकि सिविल जज के 48 पदों के लिए जो विज्ञापन जारी हुआ है वो बगैर आरक्षण रोस्टर के जारी हुआ है। ऐसे में आरक्षित वर्ग के लोगों की चिंता बढ़ गई है कि इस बार आरक्षित सीटें होंगी या नहीं। बता दें कि, इससे पहले राज्य सेवा के लिए भी बगैर आरक्षण रोस्टर के विज्ञापन जारी किया गया था।

हार्ट अटैक से कैदी की मौत

सजा सुनते ही पड़ा दिल का दौरा

बलौदाबाजार-भाटापारा ,09 दिसम्बर 2022(ए)। जिले में रेप के दोषी को जैसे ही 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई, चंद घंटे के अंदर ही उसकी मौत हो गई। हार्ट अटैक से कैदी के मौत की आशंका है।

हालांकि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है, जिसके बाद ही मौत की सही वजहों का पता चल सकेगा। कैदी हीरालाल पटेल बलौदाबाजार उपजेल में बंद था। जानकारी के अनुसार, गिरौदपुरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरेली के रहने वाले हीरालाल पटेल पर इसी साल सितंबर में अपहरण और रेप का केस दर्ज हुआ था। नाबालिग लड़की से रेप के मामले में हीरालाल के खिलाफ अपराध क्रमांक 225/19, धारा 363, 366, 376 और 3, 4 पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था, लेकिन 3 महीने बाद उसे जमानत मिल गई थी और वो छूटकर घर आ गया था। जमानत के बाद स्पेशल पॉक्सो अदालत में मामले का ट्रायल चल रहा था। ट्रायल के बाद गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी हीरालाल को दोषी करार दिया गया। उसे 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। सजा के बाद उसे उपजेल बलौदाबाजार में निरुद्ध किया गया। जहां उसकी अदालत से जेल दाखिल करने के चंद घंटों के अंदर ही मौत हो गई। तबियत खराब होने पर उसे जेल से बलौदाबाजार जिला अस्पताल लाया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

ऋचा जोगी की अग्रिम जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने मंगवाई केस डायरी

रायपुर ,09 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की बहू ऋचा जोगी की अग्रिम जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने केस डायरी की मांग की है। बता दें कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में उनके खिलाफ मुंगेली के कोतवाली थाने में स्रढ्ढक्र दर्ज की गई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अब हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त एलआर कुर्रे ने ऋचा जोगी की ओर से फर्जी जाति प्रमाण पत्र पेश करने की शिकायत मुंगेली के सिटी कोतवाली थाने में की थी। बता दें कि राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उनकी आदिवासी जाति प्रमाणपत्र को फर्जी बताया है साथ ही इस मामले में स्रढ्ढक्र कराने के निर्देश दिए हैं।

खारिज हो चुकी है अग्रिम जमानत आवेदन

ऋचा जोगी ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण को चुनौती देते हुए मुंगेली के जिला एवं सत्र न्यायालय में 23 नवंबर को अग्रिम जमानत आवेदन लगाया था। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय) पीएस मरकाम ने ऋचा जोगी की अग्रिम जमानत आवेदन को खारिज कर दिया था।

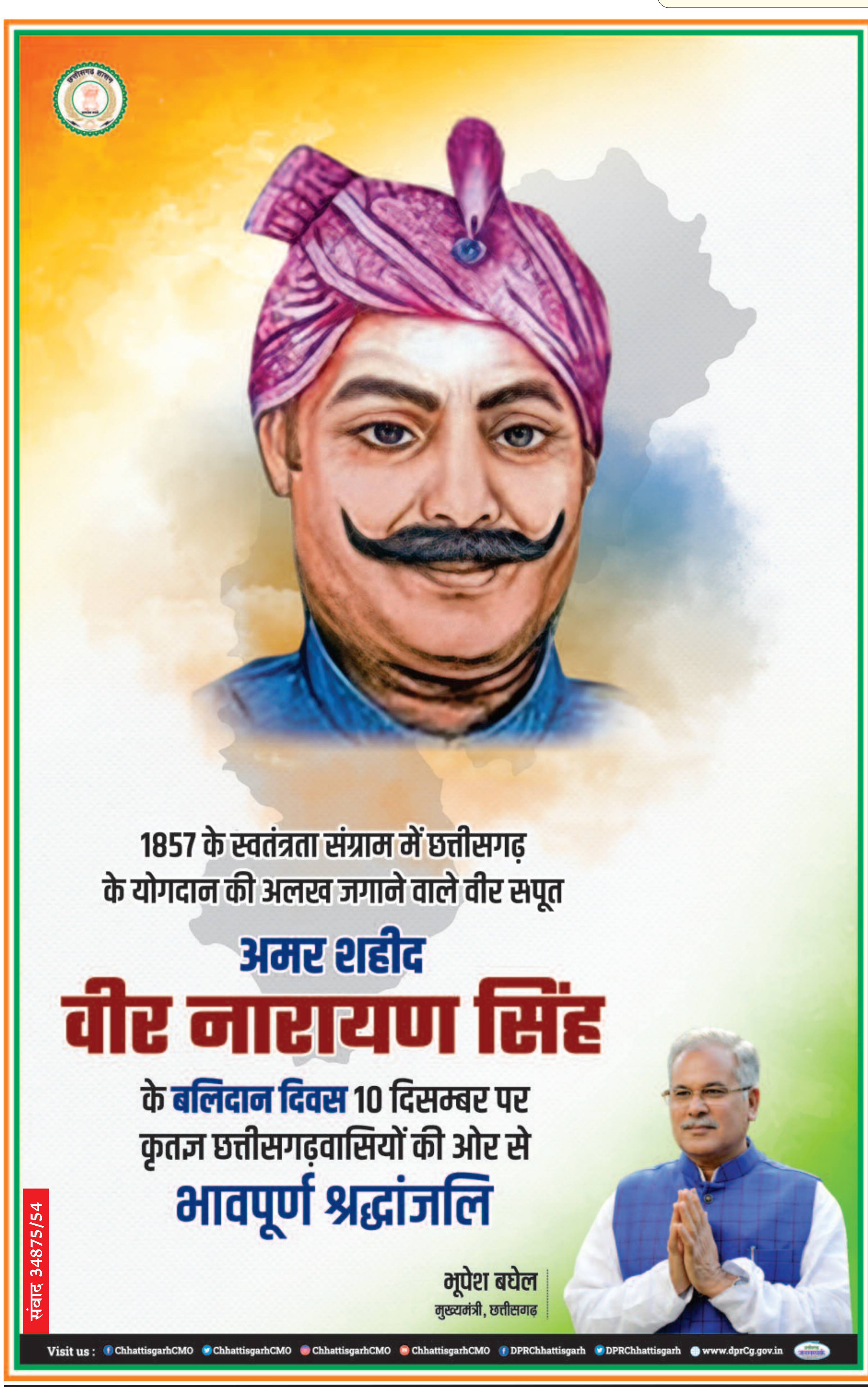

पनिका समाज ने एसटी वर्ग में पुनः शामिल करने हेतु सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

छत्तीसगढ़ के समुचे जिले में पदाधिकारियों ने भी सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

रायपुर ,09 दिसम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री के नाम रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने आए साकत पनिका समाज के जिलाध्यक्ष प्रकाश साकत ने कहा कि हमारे पनिका समाज के सामाजिक जनों का विकास, उत्थान व प्रगति पूरी तरह बाधित हो रही है, क्योंकि अविभाजित मध्यप्रदेश के मात्र 8 जिलों में यह जाति जहां अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल है।

वहीं छत्तीसगढ़ राज्य में पिछड़ा वर्ग में शामिल हैं किसी भी जाति में फेरबदल अथवा हटाने का अधिकार भारतीय संसद को होता है। ऐसी विसंगति की वजह से प्रदेश की लाखों बेटियां जो मध्यप्रदेश से शिक्षा प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य में ब्याही जाती हैं व छत्तीसगढ़ की बेटियां मध्यप्रदेश में विवाह होकर जाती हैं। तब उनके जाति संबंधित प्रकरणों में अनेक तरह की कठिनाइयों का उन्हें सामना करना पड़ रहा है।

जो राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओ जैसी महत्त्वपूर्ण योजना को भी प्रभावित करती है। ऐसी विसंगतियों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए पनिका समाज छत्तीसगढ़ की यह मांग है कि वर्ष 1971 के पूर्व जिसे 8 दिसम्बर 1971 के बाद से अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से हटाकर पिछड़ा वर्ग में जोड़ दिया गया है, जिसे अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में बहाल करने के लिए विधानसभा में विशेष प्रस्ताव लाकर उसे सर्वसम्मति से पारित कर केन्द्र सरकार को अतिशीघ्र भेजने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में ओमप्रकाश भईया (मानिकपुरी पनिका समाज प्रदेशाध्यक्ष), प्रकाश मानिकपुरी (मानिकपुरी पनिका समाज प्रदेश सचिव), मोनु साकत, सुरज साकत, इंद्रपाल पड़वार, लखन साकत, बलराम साकत, तीरथ पनेरिया, राजकुमार साकत, रामजी साकत, धनिराम साकत, रामप्रसाद पनिका, माया साकत, पुष्पा मोंगरे, प्रेमलता साकत, ताराबाई परेवा, सागर साकत, सुनिता साकत, गिरजा साकत, पुजा साकत, आरती साकत, भूमि साकत, अनिता सोनवानी आदि शामिल रहे।

जब पति ही बना हैवान

गर्भवती पत्नी के पेट पर मारा मुक्का, कोख में पल रहे 8 माह के बच्चे की मौत

रायपुर ,09 दिसम्बर 2022(ए)। , छत्तीसगढ़ की राजधानी से मानवता को शर्मसार करने देने वाली एक घटना सामने आई है। जहां एक हैवान पति के द्वारा अपनी गर्भवती पत्नी के पेट पर मुक्का मार दिया। जिससे गर्भवती पत्नी के कोख में पल रहे 8 माह के बच्चे मौत हो गई। मामले में पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में जुट गई है। आरोपी पति का नाम माखन कुमार निवासी तेलीबांधा मरीन ड्राइव है। यह मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना 1 दिसम्बर की बताई जा रही हैं. मरीन ड्राइव स्थित कॉलोनी निवासी माखन का किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो गया. जिसके बाद गुस्से में आकर माखन ने गर्भवती पत्नी के पेट में पूरी ताकत से मुक्का मार दिया। इस हमले के बाद पत्नी नीचे बैठ गई और दर्द से तड़पने लगी। जिसके बाद 4 दिसम्बर को महिला की हालत गंभीर हो गई, जिसके बाद परिजनों ने उसकी सोनोग्राफी करवाई। जांच में पता चला कि उसके गर्भाशय में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद महिला के परिजनों ने इसकी शिकायत तेलीबांधा थाने में की। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 308,316 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से ही आरोपी पति फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

ईडी ने स्पेशल कोर्ट में किया चालान पेश

आईएएस समीर बिश्नोई, सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी कोर्ट में पेश

रायपुर ,09 दिसम्बर 2022(ए)। प्रवर्तन निदेशालय की रायपुर यूनिट ने मनी लांड्रिंग और कोल परिवहन में अवैध लेवी के प्रकरण में विशेष न्यायलय के न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत में चालान पेश किया है। विगत पेशी के दौरान ही ऐसे संकेत मिले थे कि ईडी 10 दिसंबर को चालान पेश कर सकती है।

हालांकि ईडी ने एक दिन पहले ही चालान पेश कर दिया है। फिलहाल सूर्यकांत तिवारी, आईएएस समीर विश्नोई, लक्ष्मीकांत तिवारी और सुनील अग्रवाल के खिलाफ चालान पेश किया है।

शनिवार को सभी आरोपियों की पेशी है। सीएम सचिवालय की डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया की रिमांड अवधि भी खत्म होगी और उन्हें भी पेश किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)